मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 19 मार्च 2025

संवत 2081, चैत्र कृष्णपक्ष 5 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 193 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ट्रम प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णय का भारत पर प्रभाव

अभिनेत्री त्रृप्ति डिमरी ने किया कौन से डर का सामना ? 6

इतिहास रचकर लौटीं सुनीता विलियम्स सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़

नई दिल्ली : भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी लौट गई है। नासा ने उन्हें जून 2024 में एक सप्ताह के मिशन पर अन्य अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजा था, लेकिन इसके बाद वे वहां रुक गईं। तब से अमेरिका सहित पूरी दुनिया उनकी वापसी की प्रतीक्षा कर रही थी।

3 बजकर 27 मिनट पर स्पेसक्राफ्ट उतरा : स्पेसएक्स का क्रू 9 ड्रैगन यान फ्लोरिडा के तट पर समुद्र में सफलतापूर्वक लैंड कर चुका है। नासा ने यह पुष्टि की है कि 19 मार्च की सुबह भारतीय समयानुसार 3 बजकर 27 मिनट पर यह स्पेसक्राफ्ट सुरक्षित रूप से उतरा। इस महत्वपूर्ण वापसी के साथ, नासा लगातार मिशन से संबंधित जानकारी प्रदान कर रहा है।

सुनीता विलियम्स की सफल लैंडिंग : सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने अंतरिक्ष में 9 महीने का समय व्यतीत किया। इस दौरान, सुनीता ने 60 घंटे का स्पेस वॉक भी किया। लैंडिंग के लगभग 1 घंटे बाद चारों अंतरिक्ष यात्रियों को कैप्सूल से बाहर निकाला गया। अब उन्हें चिकित्सा जांच के लिए ले जाया जा रहा है। सभी अंतरिक्ष यात्रियों ने हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। सुनीता की सफल लैंडिंग के बाद सोशल मीडिया रिएक्शन और कमेंट्स से भर गया है।

सुनीता विलियम्स की वापसी पर पीएम मोदी ने कहा

धरती पर स्वागत है, आपका अटूट दृढ़ संकल्प हमेशा लाखों लोगों को प्रेरित करेगा

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और क्रू-9 टीम की धरती पर सुरक्षित वापसी के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी खुशी जाहिर की।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुनीता विलियम्स के साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, आपका स्वागत है क्रू-9, धरती ने आपको याद किया। यह उनके धैर्य, साहस और मानवीय भावना की परीक्षा रही। सुनीता विलियम्स और क्रू-9 के अंतरिक्ष यात्रियों ने एक बार फिर हमें दिखाया है कि दृढ़ता का वास्तव में क्या मतलब है। अज्ञात के सामने उनका अटूट दृढ़ संकल्प हमेशा लाखों लोगों को प्रेरित करेगा।₹

पीएम मोदी ने आगे कहा, ₹अंतरिक्ष अन्वेषण का मतलब है मानवीय क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ाना, सपने देखने का साहस करना और उन सपनों को हकीकत में बदलने का साहस रखना। सुनीता विलियम्स, एक पथप्रदर्शक और एक आइकान, ने अपने पूरे करियर में इस भावना का उदाहरण दिया है। हमें उन सभी पर बहुत गर्व है जिन्होंने क्रू-9 की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक मेहनत की। उन्होंने दिखाया है कि जब सटीकता, जुनून से मिलती है और तकनीक, दृढ़ता से मिलती है तो क्या होता है।₹

बता दें कि अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर, साथ ही नासा के निक हैग और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोबुनोव, नौ महीने के लंबे मिशन के बाद पृथ्वी पर वापस लौटे हैं। एस्ट्रोनॉट्स को स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान द्वारा सुरक्षित रूप से फ्लोरिडा के तट पर उतारा गया। धरती पर लौटे अंतरिक्ष यात्रियों को एक सुंदर और अप्रत्याशित अनुभव हुआ। उनका स्वागत डॉल्फिन ने किया। ड्रैगन कैप्सूल के समुद्र में उतरते ही डॉल्फिन कैप्सूल के आसपास तैरते हुए देखे गए।

यह एक लगभग जादुई क्षण था जब डॉल्फिन ने ड्रैगन कैप्सूल के चारों ओर चक्कर लगाया, इससे पहले कि इसे रिकवरी पोत पर रखा जाता। रिकवरी टीम ने कैप्सूल के साइड हैच को सावधानी से खोला, जो सितंबर के बाद से पहली बार खुला था। अंतरिक्ष यात्रियों को कैप्सूल से बाहर निकाला गया और 45 दिनों के पुनर्वास कार्यक्रम के लिए ह्यूस्टन ले जाया गया। क्रू-9 की पृथ्वी पर वापसी में अपनी चुनौतियां थीं।

मूल रूप से, यह मिशन (जो बोइंग के स्टारलाइनर की पहली चालक दल वाली उड़ान होने वाला था) केवल आठ दिनों तक चलने वाला था।

गढ़वा-पलामू में ई-रिक्शा खरीद में घोटाला जांच रिपोर्ट दिखाने पर अड़े प्रदीप यादव

संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा बजट सत्र का आज 13वां दिन है। ग्रामीण स्वच्छता मिशन के तहत गढ़वा और पलामू में ई-रिक्शा खरीद में हुए घोटाले को लेकर विधायक प्रदीप यादव के सवाल और सरकार के जवाब पर सदन में जमकर बहस हुई।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद और विधायक प्रदीप यादव के बीच कई मिनटों तक बहस व गतिरोध चलता रहा।

सरकार के जवाब के बाद विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि ई-रिक्शा की खरीद में बड़े पैमाने पर घपला हुआ है। 1.15 लाख की टुकटुक (ई-रिक्शा) की खरीद के बदले 3.5 लाख रुपए का भुगतान किया गया। जिस डीलर से खरीददारी की गयी, वह भी रजिस्टर्ड डीलर नहीं है।

इस पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि गढ़वा में कार्यपालक अभियंता द्वारा पंचायतों के लिए ई-रिक्शा की खरीद में गड़बड़ी हुई है। जेम पोर्टल के माध्यम से 43 पंचायतों के लिए 104 ई-रिक्शा खरीदी गयी थी। वित्तीय अनियमितता की सूचना मिलने पर सरकार उड़नदस्ता का गठन कर जांच करा रही है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

इस पर विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि जांच करायी नहीं जा रही है। जांच हो चुकी है। इसलिए जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करें। इसकी जांच मुख्य सचिव स्तर के पदाधिकारी से करायें। यही मेरी मांग है।

अगर सच में सरकार चाहती है कि कार्रवाई हो, तो जांच करायें। जिस डीलर से खरीदा, वह रजिस्टर्ड डीलर नहीं है। किस आधार पर कार्रवाई कर रहे हैं, यह बतायें।

इस पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि 2 फरवरी 2025 को जांच कमेटी बनी थी। जो दोषी होगा, उस पर कार्रवाई होगी।

फिर विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि यह सबसे बड़ा फोरम है, जनता का। यह सबका और सरकार का दायित्व है कि आप जांच रिपोर्ट दीजिये। क्योंकि वह जांच रिपोर्ट ही अधूरा है। आपको दिक्कत कहां है, बताइये।

इस पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि जांच रिपोर्ट का अवलोकन करने दिया जाये। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई तय होगी। विभागीय कार्यवाही के साथ-साथ सब तरह की कार्रवाई करेंगे।

तब विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि लीपापोती नहीं चलेगी। जांच रिपोर्ट है, तो सार्वजनिक कर दीजिये। आपको मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी से जांच कराने में दिक्कत क्या है।

इस पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि जांच रिपोर्ट का अवलोकन करने दिया जाये। फिर जरूरत पड़ी तो विभाग हर तरह की जांच करायेगी।

तब विधायक प्रदीप ने कहा कि फिर हम क्यों हैं। जब विभाग को ही जांच कराना था तो मेरा क्या औचित्य था, इस सवाल को लाने का। हमने तो कहा कि विभाग कार्रवाई करने में धीमा है। हम असंतुष्ट हैं। सदन यह मांग करता है कि इसकी जांच मुख्य सचिव से करायी जाये।

गतिरोध बढ़ता देख मंत्री सुदिव्य कुमार ने अपनी बात की। उन्होंने कहा कि मैं माननीय मंत्री और वरिष्ठ सदस्य के गतिरोध पर सिर्फ दो शब्द कहना चाहूंगा। फरवरी माह में जांच का आदेश हुआ है। जांच की रिपोर्ट आ गयी है। मंत्री जी कह रहे हैं कि वह अवलोकन करके कार्रवाई करेंगे। तो सदन में हठधर्मिता ठीक नहीं है। थोड़ा लचीला रुख रखें।

इस पर प्रदीप यादव ने कहा कि आप उत्तर देखिये। कार्रवाई प्रारंभ कर दिया है आपने। इसलिए जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करें। हम हठधर्मिता नहीं कर रहे हैं। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करें। आज नहीं हैं, कल दीजिये। परसों दीजिये।

इस पर मंत्री ने कहा कि यह प्रश्न राज्यहित में है। हम प्रश्न का स्वागत करते हैं। अगर किसी पदाधिकारी ने इसे छिपाने का काम किया है, तो सरकार कठोर कार्रवाई करेगी।

बजट सत्र : कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने सदन में फाड़ा प्रश्न, स्पीकर बोले-आचरण अच्छा नहीं

रांची : पांकी विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता विधानसभा में अपना प्रश्न पढ़ रहे थे। पढ़ते वक्त कुछ देर रूक गये। दो-तीन सेकेंड इंतजार करने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रश्न को पढ़ा हुआ मान लिया गया।

इसके बाद कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने विधानसभा अध्यक्ष पर पक्षपात का आरोप लगाया। कहा कि क्यों 12 बजे से यहां आकर बैठते हैं, जब पढ़ने के लिए वक्त ही नहीं दिया जाता। इसके बाद विधानसभा ने उन्हें बोलने का मौका दिया। साथ ही कहा कि और कुछ आरोप लगाना है तो लगा दीजिये।

इसके बाद कुशवाहा शशिभूषण मेहता आक्रोशित हो गये। उन्होंने अपने हाथ में रखे कागज को फाड़ दिया और कहा कि वह नहीं पढ़ेंगे। कुछ सदस्यों ने उन्हें पढ़ने के लिए कहा, तब भी वह यह कहते रहें कि नहीं पढ़ेंगे। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी को कहा कि आप देखिये, आसन की कहां गलती है। सदस्य किस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। आसन के सामने प्रश्न को फाड़ना कहीं से उचित नहीं है। आचरण अच्छा नहीं है। विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने अपने वक्तव्य में कहा कि थोड़ी गलती हुई है। वह प्रश्न पढ़ते वक्त थोड़ा रुक गये थे और आपको लगा कि पढ़ना हो गया। कभी-कभी ऐसा हो जाता है। संसदीय कार्यमंत्री राधा कृष्ण किशोर ने इस पर कहा कि नियमानुसार प्रश्नकाल का प्रश्न 50 शब्द से अधिक नहीं होना चाहिये। लेकिन हम लंबा सवाल भी पढ़ते हैं। सदन में इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं। वह पक्ष और विपक्ष के विधायकों से आग्रह करेंगे कि ऐसा व्यवहार ना करें।

लैंड फॉर जॉब: सैकड़ों समर्थकों के साथ ईडी दफ्तर पहुंचे लालू यादव

पटना : जमीन के बदले नौकरी मामले में उलझे राजद सुप्रीमो लालू यादव बुधवार को ईडी दफ्तर पहुंचे। अपनी बड़ी बेटी सह राजद की सांसद मीसा भारती के साथ आरजेडी प्रमुख ईडी के पटना स्थित कार्यालय पहुंचे। लैंड फॉर जॉब मामले में उनसे पूछताछ चल रही है। पटना में ईडी दफ्तर के आसपास बड़ी संख्या में राजद के कार्यकर्ता और समर्थक जमा हुए हैं।

सैकड़ों समर्थकों के बीच पहुंचे लालू : लालू यादव बुधवार को सुबह 11 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे। ईडी ने उन्हें समन भेजकर 11 बजे ही पटना स्थित दफ्तर बुलाया था। लालू यादव और मीसा भारती ईडी के कार्यालय पहुंचे तो सैकड़ों की तादाद में ईडी ऑफिस के बाहर राजद के कार्यकर्ता और समर्थक जमा थे। लालू यादव जिंदाबाद के नारे ईडी ऑफिस के बाहर लगे। ताजा जानकारी के अनुसार, 1 बजे तक उनसे पूछताछ जारी थी।

ईडी की पूछताछ पर तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारे परिवार को इससे डर नहीं लगता है। यह पहली बार नहीं है जब ईडी पूछताछ कर रही है। वहीं राजद के समर्थकों व विधायकों ने इस कार्रवाई पर केंद्र सरकार को घेरा। इधर, समर्थकों के हुजूम के बीच लालू यादव ईडी कार्यालय के अंदर गए। जहां अब ईडी के सवालों का वो सामना करेंगे।

राबड़ी और तेजप्रताप से हो चुकी है पूछताछ : लालू को तलब करने से एक दिन पहले मंगलवार को ईडी ने राबड़ी देवी और तेजप्रताप यादव को पूछताछ के लिए बुलाया था। चार-चार घंटे तक दोनों से अलग-अलग पूछताछ की गयी थी। ईडी के अधिकारियों ने जमीन के बदले नौकरी मामले से जुड़े सवालों की लिस्ट दोनों के सामने रखी और उनसे जवाब मांगा।

क्या है जमीन के बदले नौकरी मामला : लालू यादव जब रेलमंत्री थे तक 2004 से 2009 के बीच विभिन्न रेलमंडलों में जमीन लेकर कई लोगों को ग्रुप-डी में नौकरी दी गयी थी। नौकरी लेने वालों से जमीन तत्कालीन रेल मंत्री लालू यादव के परिवार के सदस्यों और एक संबंधित कंपनी के नाम करवायी गयी थी। आरोप के अनुसार, लालू परिवार ने बिहार मे एक लाख स्क्वॉयर फीट से ज्यादा जमीन महज 26 लाख रुपए में हासिल कर ली थी, जबकि उस समय के सरकारी दर के अनुसार, जमीन की कीमत करोडों मे थी। इतने कम पैसों मे जमीन लेने के बाद ज्यादातर केस में जमीन मालिक को कैश मे भुगतान किया गया।

फहीम खान निकला नागपुर हिंसा का मास्टरमाइंड, पुलिस ने जारी की फोटो

नागपुर : नागपुर में सोमवार रात हुई हिंसा के बाद स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन शहर के कई संवेदनशील इलाकों में कर्फ्यू जारी है। इस बीच नागपुर पुलिस ने बुधवार को फहीम शमीम खान की पहली फोटो जारी की है। फहीम 17 मार्च को शहर में हुए सांप्रदायिक हिंसा का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। इस हिंसा में कई लोग घायल हो गए थे।

फहीम खान एमडीपी का नगर अध्यक्ष है और नागपुर के यशोधरा नगर में संजय बाग कॉलोनी में रहता है। सांप्रदायिक झड़पों के सिलसिले में दर्ज की गई एफआईआर में उसका नाम आधिकारिक तौर पर शामिल किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि फहीम खान ने झड़प शुरू होने से कुछ समय पहले कथित तौर पर भड़काऊ भाषण दिया था। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया कि उनके भाषण ने इलाके में सांप्रदायिक तनाव को भड़काया, जिससे हिंसा भड़क उठी।

गडकरी के खिलाफ लड़ा था चुनाव : फहीम खान ने 2024 के लोकसभा चुनाव में नागपुर सीट से अल्पसंख्यक डेमोक्रेटिक पार्टी (टउढ) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। बीजेपी के दिग्गज नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से 6.5 लाख से अधिक वोटों के बड़े अंतर से हार गया था।

नागपुर के पुलिस आयुक्त रविंद्र कुमार सिंघल ने बताया कि दोपहर बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी। वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में दो हजार से अधिक सशस्त्र पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह, त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) और दंगा नियंत्रण पुलिस (आरसीपी) द्वारा पुलिस उपायुक्त रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में गश्त की जा रही है।

औरंगजेब की कब्र को लेकर हुई थी झड़प : सोमवार रात साढ़े सात बजे के करीब मध्य नागपुर में हिंसा भड़क गई थी और पुलिस पर पथराव किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि यह हिंसा इस अफवाह के बाद फैली कि औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए एक दक्षिणपंथी संगठन द्वारा किए गए प्रदर्शन के दौरान एक समुदाय के धार्मिक ग्रंथ को जला दिया गया। हिंसा में 34 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इसके बाद शहर के संवेदनशील इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया, जिससे लोगों और वाहनों की आवाजाही पर रोक लग गई।

पुलिस के अनुसार, अब कोतवाली, गणेशपेठ, तहसील, लकडगंज, पाचपावली, शांति नगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाडा, यशोधरा नगर और कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्र में आने वाले इलाकों में कर्फ्यू प्रभावी है। पुलिस के द्वारा कहा गया कि कर्फ्यू के दौरान संबंधित इलाकों के पुलिस उपायुक्त सड़कों पर वाहनों की आवाजाही के बारे में निर्णय लेंगे।

अधिकारियों के अनुसार, सोमवार रात हुई हिंसा में तीन पुलिस उपायुक्तों समेत 12 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पथराव और आगजनी के सिलसिले में अब तक करीब 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

तार के जाली गिराकर रास्ते को किया बाधित, डीसी को दिया आवेदन

मुरी : सिल्ली के मौजा बंता हजाम में रैयतों को कृषि कार्य में आने वाले ट्रैक्टर आवागमन को बाधित करने के ख्याल से तार के जाली को गिराकर बाधा पहुचाया जा रहा है। इसके लिए पड़ोसी करूणा देवी ने उपायुक्त को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। करूणा देवी के आवेदन के अनुसार थाना संख्या 108,खाता संख्या 1 प्लांट नम्बर 5877, रकबा 72 डीसमिल,खेवट संख्या 2/1,खुरखुटी मुंडारी जमीन पर छोटाचागडु के चौकीदार जगबंधु बड़ाइक पैसा, ताकत और अंचल अधिकारी के मदद से कब्जा करना चाहता है। उपायुक्त महोदय से निवेदन किया गया कि कृषि कार्य के आवागमन में बाधा न पहुंचे,जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करें। ज्ञात हो कि इसके लिए स्थानीय प्रशासन को सुचना से अवगत भी कराया गया।

श्री महावीर मंडल बड़ा तालाब प्रांगण में महावीरी झंडा स्थापित

रांची : श्री रामनवमी मोहत्सव 2025 के प्रथम मंगलवारी के उपलक्ष्य में श्री महावीर मंडल बड़ा तालाब राँची के प्रांगण में महाबली हनुमान जी एवं पताका का विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर अखाड़ा में झंडा स्थापित किया गया । पूजा अर्चना की शुरूआत श्री महावीर मण्डल बड़ा तालाब राँची के संरक्षक राजीव रंजन मिश्रा , श्री महावीर मंडल के उपाध्यक्ष राहुल सिन्हा चंकी ,पूर्व मंत्री कैलाश केसरी , राजकिशोर एवं श्री राम बानर सेना के अध्यक्ष लकेश सिंह के द्वारा की गई । पूजा अर्चना के पश्चात सभी राम भक्तो के बीच प्रसाद वितरण किया गया एवं अखाड़ा में झंडा स्थापित किया गया । समिति के संग्रक्षक श्री मिश्रा ने सभी राम भक्तो से श्री रामनवमी मोहत्सव 2025 की तैयारी जोरों से करने का आवाहन किया एवं सभी राम भक्तो से धूमधाम से मनाने की अपील की । प्रथम मंगलवारी के उपलक्ष में समिति के अध्यक्ष श्री रमेश केडिया , श्री चैती दुगार्पूजा महासमिति के महामंत्री गोपाल पारीक, सुनील रंजन सहाय, इंदर सिंह, आविनाश आनंद, राजीव सिंह, सुनील शर्मा, दीपक कुमार, प्रकाश चंद्र सिन्हा, मनीष शर्मा शामिल थे ।

शिवराज सिंह के पुत्र के आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए सीएम

नई दिल्ली/ रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सुपुत्र कुणाल तथा कार्तिकेय के विवाह के उपलक्ष्य में आयोजित आशीर्वाद समारोह (वर- वधू स्वागत समारोह) में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने नव दंपति को सुखद एवं खुशहाल दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया । इस अवसर पर श्री शिवराज सिंह चौहान और उनके पारिवारिक सदस्य, सगे -संबंधी तथा कई गणमान्य मौजूद रहे।

रंजीत महतो श्राद्धकर्म में पहूंचकर दी श्रद्धांजलि

धनबाद : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के टुंडी विधानसभा अंतर्गत बेंगनरीया पंचायत कमलाशिंघा निवासी जेएलकेएम पार्टी के पंचायत उपाध्यक्ष सोमलाल बास्की के पिताजी स्व नयन बास्की के दशकर्म श्राद्धकर्म में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा धनबाद जिला टीम के जिला कोषाध्यक्ष पप्पु पहाड़ी महतो धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो और टीम के द्वारा सोमलाल बास्की के बेंगनरीया पंचायत के कमलाशिंघा गांव पहूंचकर सोमलाल बास्की के पिताजी को श्रृद्धांजलि अर्पित किया और उनके परिजनों को इस दुखद घड़ी में हरसंभव मदद का आश्वासन देकर ढ़ाढस बंधाया मौके पर उपस्थित झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने कहा कि जेएलकेएम पार्टी एक ऐसा क्रांतिकारी पार्टी है जो विकट परिस्थितियों में पार्टी के एक एक कार्यकताओं गांव समाज के सबसे सुदूरवर्ती अत्यंत गरीब पीड़ितों के मदद के लिए चौबिसों घंटे सुख दुःख में साथ देते हैं मौके पर झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रतिनिधि टीम में शामिल धनबाद जिला कोषाध्यक्ष पप्पु पहाड़ी महतो धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो बरवाअड्डा जोंन उपाध्यक्ष हिरालाल महतो मांझी हड़ाम हरिलाल सोरेन टुंडी प्रखंड महामंत्री दीपक महतो टुंडी प्रखंड कोषाध्यक्ष गणेश महतो प्रखंड अध्यक्ष मनोज महतो बेंगनरीया पंचायत अध्यक्ष नरेश महतो बेंगनरीया पंचायत के सक्रिय सदस्य अशोक महतो धनंजय महतो जितेन्द्र बास्की आदि की उपस्थिति हुई।

लोकसभा में उठा सोन नदी के पुल का मुद्दा

ब्रिज बनने से रोजगार के अवसर होंगे सृजित : सांसद

संवाददाता

पलामू: झारखंड के पलामू जिला के सोन नदी पर पुल बनाने का मामला लोकसभा में उठा है। पलामू सांसद विष्णुदयाल राम ने संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में पलामू के हुसैनाबाद और रोहतास के नौहट्टा के बीच पुल निर्माण की मांग की।

पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम ने लोकसभा में नियम 377 के तहत सोन नदी पर पुल निर्माण को लेकर अपनी बात को रखा है। पलामू सांसद विष्णुदयाल राम ने लोकसभा में बोलते हुए कहा है कि पुल के निर्माण से इंटरस्टेट कनेक्टिविटी बढ़ेगी और रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

सोन नदी पर पुल के बन जाने से झारखंड, बिहार और उत्तर

प्रदेश के बीच की दूरी कम हो जाएगी। जपला सीमेंट फैक्ट्री के बंद होने के बाद हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में कोई भी उद्योग या वैकल्पिक व्यापार का रास्ता नहीं है। इलाके के बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश एवं बिहार के इलाके में रोजगार की तलाश में आते जाते रहते हैं। सोन नदी पर पुल बन जाने से इलाज, शिक्षा, बाजार, उद्योग समेत कई जरूरत की चीजों का आवागमन एवं सुविधाएं बढ़ जाएंगी।

बिहार के डेहरी में जाम की समस्या से मिलेगी निजात : पलामू सांसद विष्णुदयाल राम ने कहा कि हुसैनाबाद में सोन नदी पर पुल के बन जाने से बिहार के डेहरी में लगने वाले जाम की समस्या कम हो जाएगी। इसके अलावा बिहार के औरंगाबाद एवं सासाराम में भी जाम कम हो जाएगा। पुल से बड़ी संख्या में लोग बिहार एवं झारखंड से गुजरेंगे। नक्सल समस्या पर कभी समाधान होगा एवं रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। पलामू सांसद विष्णुदयाल राम ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से सोन नदी पर पुल निर्माण करने की मांग की है।

श्री राम बानर सेना की हुई वार्षिक बैठक

संवाददाता

रांची : श्री रामनवमी महोत्सव धूमधाम से मनाने हेतु श्री राम बानर सेना की वार्षिक बैठक प्रधान कार्यालय श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर मेन रोड रांची में सम्पन्न हुई । बैठक की अध्यक्षता लंकेश सिंह ने की एवं संचालन पवन कुमार झा ने किया। बैठक में वर्ष 2024-25 के आय-व्यय का व्यौरा महासचिव श्री पवन झा के द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसे सर्वसहमति से पारित किया गया। बैठक में वर्ष 2025 श्री रामनवमी मोहत्सव को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे श्री लंकेश सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य झांकी प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में पुरानी कमिटी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जो कि इस प्रकार है :- संयोजक - सूर्यनारायण दास त्यागी जी महाराज। संरक्षक - डॉ प्रदीप वर्मा (राज्यसभा सांसद) , राजीव रंजन मिश्रा, राजीव चटर्जी, हरिनारायण सिंह, ऋषिनाथ शाहदेव, संजय सहाय , किशोर साहू। अध्यक्ष - लंकेश सिंह। कार्यकारी अध्यक्ष - मंटू लाला। उपाध्यक्ष - विक्रम सिंह , सतीश पांडेय, अखिलेश राय, बबलू सिंह। महासचिव - पवन कुमार झा। प्रवक्ता - सुनील सिंह। सचिव - अविनाश सिंह, सूरज पांडेय, मिंटू सिंह। संगठन मंत्री - सुदामा सिंह, शिव कुमार, नीरज पांडेय , राजू सिंह, राणा राजवीर, कैलाश साहनी,ज्योति पासवान, मंटू पासवान। कोषाध्यक्ष - चुटुन पांडेय। सह कोषाध्यक्ष - गौतम सिंह। प्रवक्ता - सुनील सिंह सहित 21 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में ओमकार दास त्यागी , वीरू दास , लाल दास सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित थे ।

धनबाद में सीआईएसएफ और पुलिस की संयुक्त छापेमारी, भारी मात्रा में अवैध कोयला बरामद

धनबाद: जिले के सुदामडीह थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस, सीआईएसएफ और बीसीसीएल के अधिकारियों ने 6 नंबर खदान में छापेमारी की। इस दौरान टीम ने हजारों बोरा कोयला बरामद किया है। कुल 300 से 400 टन कोयला बरामद किया गया है। वहीं इस कार्रवाई से कोयला तस्करों में हड़कंप मच गया है।

टीम को देखते ही तस्कर हुए फरार : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कोयला माइंस से अवैध कोयला खनन सुभाष और रोहित नाम के तस्करों द्वारा किया जा रहा था। छापेमारी टीम को देखते ही दोनों तस्कर मौके से फरार हो गए। अधिकारियों के अनुसार माइंस से कोयला की चोरी की भंडारण किया गया था।

अब प्रशासन अवैध कोयला कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी में है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में संलिप्त सभी आरोपियों की पहचान कर जल्द से जल्द उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही खदानों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने पर विचार किया जा रहा है।

इस संबंध में थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि बीसीसीएल के कोयला खदान के बंद मुहाने से कोयला का अवैध खनन किया जा रहा था। सूचना मिलने के बाद छापेमारी की गई। जिसमें भारी मात्रा में अवैध कोयला बरामद किया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है।

वहीं बीसीसीएल प्रबंधक सुनील सिंह ने कहा कि कोयला खदानों के मुहानों को बंद करने की हमेशा कार्रवाई की जाती है, लेकिन असामाजिक तत्वों के द्वारा मुहाने खोल दिए जाते हैं। जिसका नतीजा सामने है। कई बोरी कोयला बरामद किया गया है।

नगर निगम की 17 सैरातों की हुई ऑनलाइन बिडिंग, शेष नौ के लिए फिर से होगी टेंडर प्रक्रिया

धनबादः नगर निगम के 17 सैरातों (मत्स्यपालन, हाट, मेला, तोड़ी, महाल, और नौकायन के लिए पट्टे पर दी जाने वाली जमीन) के लिए हुए ऑनलाइन निकाले गये टेंडर में आठ सैरातों के लिए ठेकेदार शामिल हुए और ऑनलाइन बिडिंग में हिस्सा लिया। बरटांड़ बस स्टैंड सहित नौ सैरातों के लिए संवेदक टर्न अप नहीं हुए। लिहाजा नौ सैरातों का दोबारा टेंडर निकला जायेगा। नगर निगम में पहली बार हुई ऑन लाइन बिडिंग (बोली) में पुराना बाजार पानी की टंकी व गुहीबांध पार्किंग ऊंची दाम पर बिकी।

पुराना बाजार पानी टंकी की पार्किंग पिछले साल 6।38 लाख रुपये में बिकी थी, जो इस बार बढ़कर 11।25 लाख हो गयी। यही हाल गुहीबांध बस स्टैंड का भी था। पिछले साल 1।81 लाख रुपए में पार्किंग की व्यवस्था की गई थी, ऑनलाइन बोली में यह बढ़कर 4।80 लाख रुपए हो गई।

इसके अलावा वैसे दुकानदार जिन्हें नगर निगम की दुकानें आवंटित हुई हैं और लम्बे समय से दुकान के किराये का भुगतान नहीं किया है उन दुकानों को नगर निगम अब अपने कब्जे में लेने की कार्रवाई करेगी।

बताते चलें कि सैरातों की व्यवस्था से सरकार को राजस्व में मुनाफा होता है। हर बार यहां पर बंदोबस्ती में धांधली की शिकायतें मिलती रहती थीं लेकिन इस बार यह व्यवस्था ऑनलाइन कर दी गई है, ताकि पारदर्शी तरीके से बंदोबस्ती में लोग शामिल हों। यही कारण है कि बंदोबस्ती की दर ऊंची बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर पुराना बाजार पानी टंकी की पार्किंग करें तो पिछले साल यह 6।38 लाख रुपये में यह बिकी थी, जबकि इस बार बढ़कर 11।25 लाख रुपए हो गयी है।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना महोत्सव में 80 से ज्यादा सजाए गए स्टॉल, लाभार्थी बने स्वावलंबी

हजारीबागः जिले में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना महोत्सव की शुरूआत हुई। 2 दिवसीय महोत्सव का उद्घाटन उद्योग श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने की। इस महोत्सव में 12 जिलों के लगभग 80 स्टॉल लगाए गए हैं। ये वैसे स्टॉल है, जिन्होंने योजना का लाभ लिया और खुद का व्यवसाय शुरू करके स्वावलंबी की एक नई कहानी लिखी है। कई स्टॉल ऐसे भी है जिसमें महिलाएं समूह लोन लेकर उत्पाद बना रही हैं।

समूह को 1 करोड़ से 3 करोड़ तक का प्रावधान : झारखंड सरकार में मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि यह योजना आम लोगों के लिए बेहद लाभदायक है। जिसके जरिए लाभार्थी अपना

उत्पाद बाजार में बेच रहे हैं और आत्मनिर्भर हो रहे हैं। इसमें समूह में लोन लेने के लिए 1 करोड़ रुपए से लेकर 3 करोड़ रुपए तक का प्रावधान है। वहीं निजी स्तर पर 10 लाख रुपए का लोन ले सकते हैं। जिसमें सब्सिडी का भी प्रावधान है। अपने उत्पाद को बेहतर पैकेजिंग करके मार्केट में लाभार्थी बेच रहे हैं। कई ऐसे स्टॉल हैं, जो आज के समय में लाखों रुपए का व्यवसाय कर रहे हैं। जिससे वह आर्थिक रूप से संपन्न हो रहे हैं।

मिल का पत्थर साबित हो रही है केंद्र सरकार की योजनाः श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने इस दौरान सभी स्टॉल का निरीक्षण किया और उद्यमियों से चर्चा भी की। उन्हें बताया कि इस योजना का लाभ कैसे उठाएं? केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकार भी वैसे लोग जो फूड प्रोसेसिंग में काम करना चाहते हैं उन्हें बेहतर मौका दे रही है। इस दौरान इन्होंने एक दुकान से रागी और ज्वार का आटा भी लिया। उद्यमी ने बताया कि केंद्र सरकार की योजना मिल का पत्थर साबित हो रही है।

उत्पाद से लेकर पैकेजिंग तक की जानकारी लोगों को दी जा रही है: नैंसी सहाय : हजारीबाग उपयुक्त नैंसी सहाय ने कहा कि उद्यमियों को एक अच्छा मौका मिला है। इस महोत्सव में वह अन्य लोगों से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अपना उत्पाद बनाना और बेहतर पैकेजिंग करके बाजार में उतारना यह तमाम बिंदुओं की जानकारी एक परिसर में लोगों को दी जाती है।

प्रधानमंत्री की परिकल्पना है आत्मनिर्भर भारत अभियान : दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना की है। उनकी इस सोच को झारखंड के कई उद्यमी जिसमें महिलाओं की संख्या ज्यादा है वह धरातल पर उतर रही है।

प्राचीन श्री राम मंदिर परिसर में पताका फहराया गया

संवाददाता

रांची : श्री महावीर मंडल केंद्रीय समिति चुटिया की बैठक लाइसेंस धारी विजय कुमार साहू की अध्यक्षता में प्राचीन श्री राम मंदिर परिसर में की गई बैठक में सर्वप्रथम श्री महावीर मंडल केंद्र समिति रांची के अध्यक्ष तथा पदाधिकारी को अंग वस्त्र एवं माला पहनकर स्वागत किया गया। महंत गोकुलदास बाबा के द्वारा हनुमान पताका की पूजा अर्चना कर पताका फहराया गया। इस बैठक में चुटिया क्षेत्र के सभी आंकड़ा धारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे सर्वसमिति से श्री महावीर मंडल केंद्रीय समिति चुटिया की पुरानी कमेटी भंग कर नई कमेटी की गठन की गई।

जिसमें संयोजक :विजय कुमार साहू पूर्व पार्षद सह लाइसेंस धारी पूर्व अध्यक्ष महावीर मंडल रांची

मुख्य संरक्षकः पद्मश्री मुकुंद नायक, सुरेश साहू पूर्व पार्षद, मदन सिंह, विजय तिर्की पूर्व पार्षद, छात्रधारी महतो, संरक्षक : कृष्णा सहाय पूर्व अध्यक्ष, राधेश्याम केसरी, मुन्ना कश्यप, गोपी अग्रवाल, विजय सिंह, सुनील सहाय। अध्यक्ष : विक्की शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष :रवि सिंह, अनिल सिंह, पप्पू ठाकुर। कोषाध्यक्षः कैलाश केशरी। सह कोषाध्यक्षः गणेश अग्रवाल। उपाध्यक्षः संजीव महतो, मुकेश वर्मा ,रवि सिंह, सिकंदर ठाकुर, किशोर राम, रिकी सिंह ,दीपेश पाठक ,नकुल नायक ,ज्ञानी महतो, हर हर महादेव, उमंग साहू ,छोटू शर्मा, बाल सिंह, कृष्णा साहू,ललन चौधरी। सचिव :राजकुमार महतो, विक्रम साहू,उदय पासवान , धनजू नायक ,प्रमोद गोप,अनिल गोप,जयदीप राम,आशीष साहू, शिवम सिंह। सहसचिव : मुकेश साहू, राजा महतो, काया नायक ,संजय साहू, सबूर नायक, संजय सिंह, नंदू ठाकुर, अनिल राम,अमित केशरी। संगठन मंत्री नवीन साहू उर्फ. पप्पू, भोला केसरी, किशोर नायक, सकलदीप राम ,सुजीत शर्मा, उपेंद्र सिंह, शिवम केशरी, महावीर मेहली ,अमित साहू, नीरज साहू ,गोल्डी साहू, संकेत साहू ,रणजीत राम, रंजन यादव, अमित साहू धनंजय सिंह भोला लोहार ,बबलू महतो गजेंद्र नारायण सिंह। कार्यकारी सदस्य* रोनित महतो ,अमन साहू ,ऋतिक कुमार, राजा साहू, ऋषि ठाकुर, लकी नायक ,अनीश साहू ,नीरज शर्मा ,शुभम साहू ,किशन सिंह, सनी सिंह ,देव तिवारी , विनीत राज,साहिल महतो, राकेश साहू, राहुल नायक, बॉबी सिंह ,विशाल सिंह आदि शामिल हैं।

डीएसपी को सीएम हेमंत सोरेन ने किया सस्पेंड

रांचीः झारखंड के चतरा जिले के सिमरिया डीएसपी प्रदीप कुमार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सस्पेंड कर दिया है। प्रदीप कुमार को सस्पेंड करते हुए उन पर विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया है।

क्या है सीएम के आदेश में : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रदीप कुमार, तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक, एटीएस, रांची को निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई संचालित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। पीआरडी द्वारा जारी किए गए प्रेस विज्ञप्ति में यह बताया गया है कि डीएसपी प्रदीप कुमार के आचरण तथा कृत्यों से पुलिस की गरिमा तथा छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिस वजह से उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश मुख्यमंत्री ने दिया है।

क्या है पूरा मामला : पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार डीएसपी प्रदीप कुमार का एक महिला के साथ गलत संबंध था। जब महिला के पति को इस संबंध में जानकारी हुई तो उसने डीएसपी प्रदीप कुमार को समझाने की काफी कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। जिसके बाद महिला के पति ने पुलिस मुख्यालय को पत्र लिखकर मामले की जांच और डीएसपी पर कार्रवाई करने के लिए आवेदन दिया।

जांच में दोषी पाए गए : पुलिस मुख्यालय के द्वारा की गई जांच में डीएसपी दोषी पाए गए। जिसके बाद सीएम हेमंत सोरेन ने डीएसपी प्रदीप के निलंबन पर अपनी मुहर लगा दी। जानकारी के अनुसार मामला उस समय का है जब प्रदीप कुमार एटीएस में पदस्थापित थे। वर्तमान समय में प्रदीप कुमार चतरा के सिमरिया एसडीपीओ के रूप में पदस्थापित थे।

रांचीः झारखंड के चतरा जिले के सिमरिया डीएसपी प्रदीप कुमार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सस्पेंड कर दिया है। प्रदीप कुमार को सस्पेंड करते हुए उन पर विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया है।

क्या है सीएम के आदेश में : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रदीप कुमार, तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक, एटीएस, रांची को निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई संचालित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। पीआरडी द्वारा जारी किए गए प्रेस विज्ञप्ति में यह बताया गया है कि डीएसपी प्रदीप कुमार के आचरण तथा कृत्यों से पुलिस की गरिमा तथा छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिस वजह से उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश मुख्यमंत्री ने दिया है।

क्या है पूरा मामला : पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार डीएसपी प्रदीप कुमार का एक महिला के साथ गलत संबंध था। जब महिला के पति को इस संबंध में जानकारी हुई तो उसने डीएसपी प्रदीप कुमार को समझाने की काफी कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। जिसके बाद महिला के पति ने पुलिस मुख्यालय को पत्र लिखकर मामले की जांच और डीएसपी पर कार्रवाई करने के लिए आवेदन दिया।

जांच में दोषी पाए गए : पुलिस मुख्यालय के द्वारा की गई जांच में डीएसपी दोषी पाए गए। जिसके बाद सीएम हेमंत सोरेन ने डीएसपी प्रदीप के निलंबन पर अपनी मुहर लगा दी। जानकारी के अनुसार मामला उस समय का है जब प्रदीप कुमार एटीएस में पदस्थापित थे। वर्तमान समय में प्रदीप कुमार चतरा के सिमरिया एसडीपीओ के रूप में पदस्थापित थे।

आरपीएफ ने 10 नाबालिगों को तस्कर से चंगुल से कराया मुक्त, झारखंड से 10 बच्चों को भेजा जा रहा था दिल्ली

पलामूः रेलवे सुरक्षा बल ने 10 नाबालिगों को मुक्त करवाया है। नाबालिगों को दिल्ली के एक कूलर फैक्ट्री में काम करवाने के लिए ले जाया जा रहा था। सभी नाबालिग झारखंड के पलामू और लातेहार जिले के रहने वाले हैं। मौके से पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने के आरोप में एक युवक को भी गिरफ्तार किया है। दरअसल, पलामू के डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल के जवान नियमित गश्ती कर रहे थे। इसी क्रम में जवानों की नजर बच्चों की एक टोली पर पड़ी। जवानों ने जब पूछताछ की तो मामले का पता चला। बच्चों को कूलर फैक्ट्री में काम करवाने के लिए दिल्ली ले जाया जा रहा था। सभी के पास जनरल टिकट थे। आरपीएफ की टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए मौके से पलामू के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के लोहरसी के रहने वाले नौशाद आलम को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के क्रम में यह बताया गया कि सभी नाबालिग पलामू के पांकी और लातेहार के सीमावर्ती इलाके के गांव के हैं। सभी नाबालिगों को नौ हजार रुपये मासिक वेतन का लोभ देकर ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपी की तरफ से ही सभी नाबालिगों का जनरल टिकट कटवाया गया था। आरोपी के पास से दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन तक का 11 रेलवे टिकट बरामद किया गया है। पूरे मामले में रेलवे सुरक्षा बल के तरफ से मेदिनीनगर के एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थाना में एफआईआर दर्ज करवायी गई है। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के थाना प्रभारी गुलशन बिरुआ ने बताया कि सभी बच्चों को बालगृह भेजा गया है और एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

दो अलग-अलग घटनाओं में एटीएम से करीब 16 लाख की चोरी

चोरों को पकड़ने में जुटी पुलिस

संवाददाता

कोडरमा: जिले में चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे एक साथ चोरी की दो अलग-अलग घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पहला मामला कोडरमा के चंदवारा थाना क्षेत्र के थाम का है जहां बीती रात चोरों ने एसबीआई एटीएम मशीन से कैश चोरी की घटना को अंजाम दिया। वहीं दूसरी घटना हजारीबाग के बरसोत में हुई जहां कुछ चोरों ने पहले एटीएम का शटर तोड़ा फिर गैस कटर की मदद से लॉक काटकर कैश चोरी कर फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक की ढाब शाखा से सटे एटीएम में चोरों ने गैस कटर की मदद से शटर का लॉक काटा और एटीएम का कैश बॉक्स लेकर फरार हो गए। हालांकि चोरी के दौरान सायरन बजने के कारण स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और चोरी की सूचना चंदवारा थाना को दी। घटना की सूचना मिलते ही चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे।

घटना की जानकारी देते हुए चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार ने बताया कि देर रात सूचना मिलने के बाद हमलोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने आला अधिकारियों को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि तकनीकी टीम की मदद से जांच की जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है और जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार बैंक ने मंगलवार को ही उक्त एटीएम मशीन में कैश डाला था।

काली कार में सवार थे 3 चोर: पुलिस की ओर से बताया गया कि एटीएम के पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर पता चला कि काली कार में सवार होकर तीन अज्ञात लोग एटीएम की ओर गए। रात 12:50 बजे गाड़ी एटीएम के पास पहुंची और वारदात को अंजाम देकर 1:04 बजे वहां से फरार हो गए। इस पूरी वारदात को अंजाम देने में उन्हें महज 12 मिनट लगे।

एक दिन में चोरी की दो वारदात : कोडरमा के जैसे ही हजारीबाग के बरसोत में भी ऐसी ही वारदात को अंजाम दिया गया। जहां चोरों ने एटीएम का शटर तोड़कर गैस कटर से लॉक काटा और एटीएम मशीन से कैश चोरी कर फरार हो गए। चंदवारा पुलिस को शक है कि उक्त वारदात और चंदवारा के ढाब में हुई वारदात को अंजाम देने वाला एक ही चोर गिरोह है। क्योंकि वहां भी काले रंग की गाड़ी में 3 लोग दिखे। जिन्होंने चोरी की घटना को अंजाम दिया।

मौके पर पहुंची पुलिस : इस बीच बुधवार की सुबह 10 बजे बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल और बरही थाना प्रभारी आभास कुमार भी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। बरही एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने बताया कि एटीएम से कैश चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। कोडरमा के थाम एटीएम से 9 लाख 99 हजार 500 रुपये और बरही के बरसौत से 6 लाख 17 हजार रुपये की चोरी की गई है। उन्होंने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है, ताकि चोरों की पहचान हो सके।

18 लाख को मंईयां योजना का पैसा नहीं मिलने पर होगा बड़ा आंदोलन : निपु सिंह

संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी का झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं रांची लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी सह झारखंड अगेंस्ट करप्शन का केंद्रीय संगठन मंत्री निपु सिंह ने कहा कि सरकार बताएं कि किस कारण से 18 लाख मां और बहनों को पैसा रोका है ।

श्री सिंह ने कहा कि बहुत दुख होता है गरीबों का पैसा रुका हुआ है और अमीरों का पैसा आ रहा है और कहा कि इसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी आंदोलन करने के लिए तैयार है

और उन्होंने कहा कि शुरू में जितने भी महिलाओं का पैसा आ रहा था वह सभी महिलाओं को हेमंत सरकार से निवेदन है की पुनः पैसा देना जारी रखें और कहां की जो महिलाओं का पैसा आ रहा था उसमें 18 लाख महिलाओं का पैसा 7500 रुपया नहीं आया वह सभी महिलाओं का दिल में काफी दुख हुआ है उसे देखते हुए जो महिलाओं का पैसा नहीं आया है उसे पुनः पैसा भेजें और उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर सरकार पैसा देने में सक्षम नहीं है तो 2500 रुपया को घटाकर 1500 रुपया कर दे लेकिन सभी महिलाओं को पैसा दे किसी को मायूस ना करें ।

कांग्रेस ने स्वराज पदयात्रा की शुरूआत की

रांची : कांग्रेस ने पहाड़, पानी, पौधा, पंचायत राज और पेशा कानून को लेकर आज उलीहातू भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थल पर बिरसा मुंडा के मूर्ति में माल्यार्पण पुजा पाठ की और बिरसा मुंडा के वंशजों से मुलाकात कर स्वराज पदयात्रा की शुरूआत की। इस पदयात्रा में मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, बन्धु तिर्की, रविंद्र सिंह, सतीश पौल, गजेंद्र सिंह, शांतनु मिश्रा, पंचायती राज संगठन के संयोजक सुमित शर्मा,रवि मिश्रा, रामकृष्ण चौधरी, विल्सन, अंजनी रंजन नरेश तिर्की, सुभाष आदि शामिल हैं।

रहमत कॉलोनी क्षेत्र मे अतिक्रमण तोड़ने का काम रुका

रांची: झारखंड की राजधानी रांची में कोर्ट के आदेश के बाद लगातार जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में डोरंडा रहमत कॉलोनी क्षेत्र मे कई दिनों से नदी के किनारे बने घरों को तोड़ा जा रहा था। इन घरों में रह रहे सभी धर्म जाती के लोग प्रशासन से लगातार गुहार लगा रहे थे कि कुछ दिनों का समय दिया जाए ताकि अभी पर्व त्यौहार का समय है उन्हें कुछ अतिरिक्त समय दिया जाए ताकि ये लोग रहने का व्यवस्था कर लें। इसे देखते हुए समाज सेवी अफजल आलम ने अरगोड़ा सीइओ से मिल कर उनके समक्ष लोगो की परेशानी को अवगत कराया और क्षेत्र में रह रहे लोगों के लिए मांग किया कि पर्व त्यौहार को देखते हुए उन सभी को प्रशासन थोड़ा समय दे ताकि लोग अपना व्यवस्था कर लें। अफजल आलम की मांग को सीईओ ने स्वीकार कर सभी को 10 अप्रैल तक का समय दे दिया और कहा कि अतिक्रमण को 10 तारीख तक स्वतः हटा लें अन्यथा निर्धारित समय के बाद प्रशासन अपना काम करेगी। जिसे देखते हुए लोगों ने युद्ध स्तर से स्वतः अतिक्रम हटाने का काम शुरू कर दिया है। मौके पर लोगो ने समाजसेवी अफजल आलम के कार्यों को खूब सराहा और दिल से धन्यवाद दिया। मौके पर आंदोलनकारी नेता आजम अहमद, इम्तियाज अहमद, रफी, शमशुल होदा, बाबू भैय्या, सज्जू खान, चांद अंसारी, फूल मोहम्मद, रेहान अहमद, आदि उपस्थित थे।

वैष्णव स्वामी जी महाराज पहुंचे झारखंड दौरे पर

संवाददाता

रांची : इस्कॉन ग्रुप लेक एवेन्यू कांके रोड रांची द्वारा पहली बार झारखंड दौरे पर रांची आए परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी जी महाराज जी ने अपने चार दिवसीय कार्यक्रम में शामिल होकर पुष्पों फूलों की होली मिलन के बहाने अमृत रस पान ग्रहण कराकर राउरकेला उड़ीसा के लिए प्रस्थान किए। बुधवार इस्कॉन ग्रुप के वरीय अनुयायी अरुण देव कुमार ने बताया कि झारखंड प्रदेश में पहली बार रांची के पंडरा रवि स्टील डिफेंस कॉलोनी के सामने स्थित शौण्डिक समाज के धर्मशाला शौंडिक भवन में अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी जी महाराज जो वृंदावन से चलकर अपने रांची प्रवास में पुष्प फूलों की होली मनाने के बहाने भक्तों को कृष्णभावनामृत रसपान कराने अपने चार दिवसीय दौरे पर 12 मार्च को सबसे पहले पंडरा रवि स्टील डिफेंस कॉलोनी के सामने स्थित शौंडिक भवन में शामिल होकर हजारों श्रद्धालुओं के साथ भक्तिमय वातावरण में खूब फूलों पुष्पों कि होली मनाते ,नाचते गाते सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को अमृत रस पान ग्रहण कराया। दूसरे दिन दिनांक 13 मार्च को दिन गुरुवार को पंच देव मंदिर पहान टोली बढ़गाई रांची, दिनांक 14 एवं 15 मार्च को इस्कॉन मंदिर लेक एवेन्यू कांके रोड में श्रद्धालुओं को फूलों पुष्पों कि होली महाप्रसाद वितरण कर अमृत रस पान कराया।

परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी जी महाराज का प्रकाष्ठा वर्ष 1961 में हुआ। वे 1984 में इस्कॉन के संपर्क में आने के बाद 1985 में वृंदावन में पूर्णकालिक भक्त के रूप में शामिल हुए। उन्होंने परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज से हरिनाम की दीक्षा प्राप्त कर 2013 में वैष्णव मूर्ति श्री शील गौर किशोर दास बाबा के प्रकट दिवस के शुभ दिन पर उन्होंने संन्यास जीवन स्वीकार किया।

अपने चार दिवसीय दौरे पर झारखंड प्रदेश की राजधानी रांची महानगर में फूलों पुष्पों की होली मिलन संपन्न कराकर सभी रांची वाशियो को अमृत रस पान कराया जो अपने आप में बहुत अच्छा संदेश देने का काम किया। स्वामी जी महाराज रांची से रेल मार्ग से राउरकेला के कार्यक्रम में शामिल होने उड़ीसा प्रस्थान किए उनके रांची प्रवास पर उनके स्वागत में रांची इस्कॉन मंदिर संचालन करने वाले मुख्य संरक्षक मधुसूदन मुकुंद दास महाराज , अनुयायी अरुण देव कुमार अपने दायित्व का निर्वाह अपने इस्कॉन ग्रुप रांची के वरीय अनुयायियों के साथ किया। प्रथम दिन 12 मार्च को राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी गोड्डा निवासी, झारखंड प्रदेश शौण्डिक संघ के संरक्षक कुमुद प्रसाद साहु उर्फ मंटू बाबू, अरुण गुप्ता,प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहु, महामंत्री उमेश साहु, प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता वीरेंद्र साहु, प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु, कुणाल कुमार बंटी, मिथलेश साहु, संतोष साहु, उपेंद्र साहु, हरि नारायण जैसे अनेक लोगों ने अपनी सेवा प्रदान किया।

रांची पहुंचे शंकराचार्य कल से धर्मसभा

रांची: द्वारिका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य सदानंद सरस्वती मंगलवार को तीन दिवसीय दौरे पर मंगलवार को रांची पहुंचे। राउरकेला से सड़क मार्ग होते हुए संध्या पांच बजे बिरसा चौक पहुंचने पर शंकराचार्य अभिनंदन समारोह समिति के सदस्यों ने उनका भव्य अभिनंदन और स्वागत किया। तत्पश्चात मोटरसाइकिलों, कारों के काफिलों एवं भगवा ध्वजों के साथ अरगोड़ा चौक, सदानंद चौक, हरमू रोड होते हुए महाराजा अग्रसेन भवन में पहुंचे। शंकराचार्य के स्वागत में शहर के विभिन्न मार्गों पर प्रमुख सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने तोरण द्वार, बैनर एवं होर्डिंग लगाए। शंकराचार्य का रांची आगमन पहली बार हुआ है। अग्रसेन भवन में समिति के मुख्य संयोजक विनय सरावगी एवं सभी संयोजक मंडली सदस्यों ने शंकराचार्य जी को माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र ओढ़ाकर अभिनंदन किया। अग्रसेन भवन के सभागार में शंकराचार्य के चरण पादुका खड़ाऊ का पूजन मुख्य यजमान विजय हरलालका छोटू ने सपत्नीक किया। शंकराचार्य ने सभी उपस्थित धर्म प्रेमियों को आशीर्वचन एवं प्रसाद दिया। वह महाराजा अग्रसेन भवन में तीन दिनों तक प्रवास करेंगे। विनय सरावगी ने बताया कि 20 मार्च को शंकराचार्य जी का मारवाड़ी भवन में रांची नगर के प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की ओर से नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। उनका धर्म सभा एवं प्रवचन का कार्यक्रम होगा। तत्पश्चात सभी धर्म प्रेमियों को शंकराचार्य जी आशीर्वचन देंगे। उन्होंने सभी धर्मलंबियों से धर्मसभा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। समिति के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि बिरसा चौक एवं अग्रसेन भवन में शंकराचार्य को अभिनंदन एवं स्वागत करने वालों में विनय सरावगी, बसंत मित्तल, रवि शंकर शर्मा, ललित कुमार पोद्दार, सुरेश चंद्र अग्रवाल, ललित नारायण ओझा, नंदकिशोर चंदेल, मनोज बजाज, प्रमोद सारस्वत, संजय जयसवाल, मनीष सोनी, श्याम सुंदर शर्मा सहित बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी उपस्थित थे।

घर - घर में लगाये सरना झंडा : शिवा कच्छप

रांची : सरहुल पूजा तैयारी को लेकर केंद्रीय सरना संघर्ष समिति का बैठक प्रधान कार्यालय कांके रोड रांची में हुआ, बैठक का अध्यक्षता केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप एवं संचालन सती तिर्की ने किया ।

बैठक में सरहुल पूजा शोभायात्रा की तैयारी पर चर्चा हुई ।

केन्द्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सरहुल पूजा का आयोजन पारंपरिक, संस्कृतिक रीति रिवाज एवं धूमधाम से होगा , दिनांक - 30 मार्च 2025 को उपवास रखेंगे । उसी दिन नदी तालाब से मछली- केकड़ा पकड़ने की परंपरा है , रात को घड़ा में जल रखाई कार्यक्रम होगा, दिनांक - 31 मार्च 2025 को पूजा, दिनांक - 01 अप्रैल 2025 को सरहुल शोभायात्रा निकाली जाएगी , 2 अप्रैल 2025 को सभी घरो में फुल खोसी किया जाएगी ।

सभी सरना धर्मावलंबियों से अपील की सरहुल पारंपरिक ढोल, नगाड़ा और मांदर के साथ शोभायात्रा में शामिल हो, महिला लाल पाड साड़ी और पुरुष धोती गंजी का प्रयोग करे । सरहुल पूजा के दिन राजधानी रांची के आदिवासी समाज हर घर में सरना झंडा लगाया जाएगा । इस बैठक में मुख्य रूप से सती तिर्की, संगीता गाड़ी, अनिता उरांव, भानु उरांव, कुईली उरांव, बसंती कुजूर, पार्वती टोप्पो, सीटीओ उरांव, शोभा तिर्की,

हटिया संकट मोचन हनुमान मंदिर रामनवमी पूजा समिति की वार्षिक बैठक संपन्न

चंदन यादव अध्यक्ष, नंदन यादव मुख्य संरक्षक, इंदरजीत सिंह , संजू चौबे, मनीष सिंह ,सह संरक्षक बने

संवाददाता

रांची : हटिया संकट मोचन हनुमान मंदिर रामनवमी पूजा समिति की वार्षिक बैठक संकट मोचन हनुमान मंदिर रेलवे मार्केट में सम्पन्न हुई। इसमें मुख्य रूप से समिति के मुख्य संरक्षक नंदन यादव, कैलाश यादव और हटिया रेलवे कॉलोनी अखाड़ा समिति अध्यक्ष अमर हरि जी , बिरसा चौक के रामनवमी पूजा के अध्यक्ष ब संजू चौबे ने अपनी उपस्थिथि दर्ज करवाई और सबने मिलकर रामनवमी पूजा को धूम धाम से मानने का निर्णय लिया नई समिति का गठन किया गया एव रामनवमी धूम धाम से मनाने निर्णय लिया गया। आगामी 3 अप्रैल को स्थापना पूजा एव सुंदर कांड पाठ के साथ भोग वितरण। 6 अप्रैल को संध्या में मंदिर प्रांगण में सभी अखाड़ा समितियों का आगमन, अस्त्र शस्त्र प्रतियोगिता एव पुरस्कार वितरण। 7 अप्रैल को दोपहर 1 बजे से भव्य भंडारा एव संस्कृति कार्यक्रम। मौके पर उपस्थित नंदन यादव जी ने कहा कि इस वर्ष धूम धाम से पूजा करने का निर्णय लिया गया है।

मंच संचालन चंदन यादव ने किया।

समिति इस प्रकार है।

महिला दस्ता - इस बार रामनवमी पूजा मे महिला दस्ता भी अपना योगदान पूजा मे देगी जिसमे मुख्य रूप से डॉक्टर रजनी शर्मा, आरुषि वंदना, पी कृतिका राव, रिंकी बेनर्जी, सुनीता, पल्लवी, सीता, और अन्य का सहयोग पूजा कमिटी मे रहेगा

मुख्य संरक्षक- नंदन यादव

सह संरक्षक - संजू चौबे, इंदरजीत सिंह, मनीष सिंह

अध्यक्ष - चंदन यादव

कार्यकारी अध्यक्ष- दीपक राम

वरीय उपाध्यक्ष- संतोष यादव, रजनीश सिंह, अरुण बाउरी, रितेश पासवान, सौरव सिंह,भोला यादव, सोमनाथ बाउरी, आर.ए. कुशवाहा, मुकुल प्रसाद, आकाश रजवार, पिंटू, गौतम बाउरी, आनंद शंकर अमित, आदित्य शिरोमणि, संजय चौधरी, अभिषेक बिल्लू, स्वराज बोस,

कोषाध्यक्ष - सुमित पासवान, अभिजीत बाउरी, चंदन कुमार

उपाध्यक्ष - अमित पांडेय, दशरथ यादव, प्रकाश मिश्रा, शिवा राव, राहुल महतो, विवेक कुमार, प्रखर शर्मा, नंदू, मुकेश सिंह,,बबलू यादव, माणिक,प्रखर, विवेक, लोकनाथ, सुनील राय, राहुल यादव, अमित पांडे सोनू बाउरी, बिट्टू प्रसाद, अरविंद महतो, विकि, वैभव, ललन, प्रियांशु, सौरभ, विनीत, ऋतिक, शिव, बबलू ,टोपनो, संजय, सबलू, दीपक, महेश, अमित, चंदन, दशरथ, सोनू।

कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची
E-mail id – csofficeranchi@yahoo.com
e-Tender No. : 1107 Date 12.3.2025
अति अल्पकालीन ई- निविदा

सदर अस्पताल, राँची एवं संस्थानो के लिए विभिन्न विभाग के लिए दवादि मशीन उपकरण एवं अन्य सामग्रियों का दर निर्धारण एवं क्रय हेतु निबंधित निर्माणकर्ता/प्रतिष्ठानों/फर्म से दिनांक 4.4.2025 के अपराह्न 5.00 बजे तक ई–निविदा आमंत्रित किया जाता है। ई–निविदा से तकनीकि विवरण/स्पेशिफिकेशन/संबंधित नियम/शर्त आदि website http://jharkhandtenders.gov.in पर दिनांक 18.3.2025 से देखा जा सकता है। ई–निविदा से संबंधित किसी प्रकार का परिवर्तन /शुद्दि पत्र website http://jharkhandtenders.gov.in पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,राँची

PR 348659 Health Med Edu and Family Welfare(24-250#D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-२, राँची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–74/2024–25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 04.04.2025 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 05.04.2025 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 05.04.2025 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Renovation of "CD" Type Qtr. No. -362 (G.F) at Sector-3, HEC, Dhurwa, Ranchi	589900.00	1250.00	12000.00	1 Month
2	Renovation of Room No.-10 and 11 (Additional Secretary Chamber, Building Construction Department) at Ground Floor of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	1726100.00	5000.00	35000.00	2 Months
3	Renovation B Type Qtr. No. -329 (S. Fl.) in Sector-2 at HEC, Ranchi	399400.00	750.00	8000.00	1 Month
4	Renovation of Roof treatment of IRL, Itki Sanatorium, Ranchi	1110400.00	2500.00	22500.00	2 Months
5	Renovation of Court Room False Ceiling, Other Room False Ceiling, Secretary Chamber Renovation and other Miscellaneous work at Jharkhand Revenue Board, Dhurwa, Ranchi (Jharkhand)	3453800.00	5000.00	69500.00	3 Months
6	Renovation of "B" Type Qtr. No. -1476 (S.F) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	399600.00	750.00	8000.00	1 Month
7	Construction of Approach Road, Near Gate No. -3 to Watch Tower - 3 in the Campus of New Jharkhand High Court	2798000.00	5000.00	56000.00	3 Months
8	Renovation of B Type Qtr. No. -753 (S.F) at Sec-2, HEC, Dhurwa, Ranchi	394900.00	750.00	8000.00	1 Month
9	Renovation of PENSION and LEKHA Nideshalay Joint Director Room, Room No.-61, 62, 64, 66, Stair Room, General Ladies and Gents Toilets & Other Miscellaneous Work at TA Division, Dhurwa, Ranchi (Jharkhand)	3672400.00	5000.00	73500.00	3 Months
10	Renovation of Room No.-17 & 18 (Department of School Education and Literacy) at Ground Floor of M.D.I. Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	1970000.00	5000.00	39500.00	45 Days
11	Renovation of State Control Room in the Campus of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	826000.00	1250.00	17000.00	1 Month
12	Renovation of Central Training Institute of Home Defence Corps (Vahini), NDRF (Internal Part) at Home Guard Training Centre, Dhurwa, Ranchi	4979000.00	5000.00	100000.00	4 Months
13	Renovation of Roof Area of Hon'ble CM Office and Hon'ble Speaker Office at New Vidhan Sabha Building, Ranchi	2050400.00	5000.00	41500.00	2 Months

नोट : निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 348679 Building (24-25)_D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता।

राजनेताओं की जिम्मेदारी

महाराष्ट्र का नागपुर शहर सोमवार को जिस तरह की हिंसा के दृश्यों का गवाह बना, वह इस बात का खतरनाक संकेत है कि अतीत से जुड़े द्वेषपूर्ण विमर्श देश को किस तरह की त्रासद स्थितियों में झोंक सकते हैं। प्रदेश में मुगल शासक औरंगजेब को लेकर पिछले कई दिनों से दिए जा रहे बयान न केवल गैरजरूरी, बल्कि लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और शांतिपूर्ण विकास की उस राह में रोड़े खड़े करने वाले हैं, जिस पर आजादी के बाद से देश ने लंबा सफर तय किया है। इसमें दो राय नहीं नागपुर में हुई घटनाएं पहली नजर में कानून-व्यवस्था से जुड़े तंत्र की नाकामी की ओर इशारा करती हैं। जिस तनावपूर्ण माहौल में दक्षिणपंथी संगठनों ने औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन आयोजित किए, उसने मामले को भड़काने में अहम भूमिका निभाई। ऐसे माहौल में अफवाहों का बाजार गर्म हो ही जाता है। उनसे निपटने की जैसी तैयारी पुलिस और प्रशासन की होनी चाहिए थी, वह जाहिर तौर पर नहीं थी। यह सही है कि शांति व्यवस्था कायम रखने की जिम्मेदारी पुलिस-प्रशासन की होती है, लेकिन राजनीति उससे पूरी तरह पल्ला नहीं झाड़ सकती। ऐसा नहीं हो सकता कि आप आग लगाने वाले बयान जारी करते रहें और आग लगने के बाद सारा दोष प्रशासन के मत्थे मढ़ दें। मौजूदा मामले में सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता समझदारी और संवेदनशीलता का परिचय नहीं दे सके। वहीं, अतीत के सवालों को जिस आक्रामक तरीके से उठाया जा रहा है, उससे ऐसा लगता है कि इतिहास की कब्र में दफन मुर्दे उखाड़ना आज की राजनीति के लिए मौजूदा चुनौतियों से निपटने से ज्यादा जरूरी हो गया है। दरअसल, ऐतिहासिक प्रतीकों पर सरकारों को अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वाह करना होगा। इस बात की परवाह किए बगैर कि उससे उनकी सियासत पर क्या असर होता है। यह बात भी याद रखनी चाहिए कि हिंसा-अस्थिरता के माहौल में निवेशक पीछे हट जाते हैं, जिससे विकास गतिविधियों पर बुरा असर पड़ता है। राजनीतिक दलों को वक्त रहते इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि उनके तौर-तरीके देश और समाज को किस तरफ ले जा रहे हैं। वोट हासिल करना उनके अस्तित्व की सार्थकता का सिर्फ एक पहलू है। उन्हें जनकल्याण की ज्यादा बड़ी कसौटियों पर भी खुद को और अपनी नीतियों को कसना है।

आधार कार्ड को वोटर आईडी से लिंक करना आसान नहीं

चुनाव आयोग वोटर आईडी कार्ड को आधार से जोड़ना चाहता है और इसके पीछे सबसे बड़ी वजह है फर्जी मतदान को रोकना। मंशा चाहे जितनी भी सही हो, लेकिन इस काम में कानूनी से लेकर राजनीतिक तक, कई चुनौतियां हैं। विवादों के लंबे इतिहास को देखते हुए यह जरूरी हो जाता है कि कोई भी कदम सभी पक्षों को विश्वास में लेकर और जरूरत के हिसाब से उठाया जाए। साल 2021 में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में संशोधन के बाद आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने की अनुमति मिली। चुनाव आयोग ने तब जनता से उनके आधार नंबर मांगते हुए कहा था कि यह स्वैच्छिक है यानी जिसे दोनों डॉक्युमेंट लिंक करने हैं वह करे और जो नहीं चाहता, वह न करे। आयोग के पास 66.23 करोड़ आधार नंबर आ चुके हैं। हालांकि इन्हें अभी तक वोटर आईडी से लिंक नहीं किया गया है। वजह है 2023 में हुआ अदालती केस। सुप्रीम कोर्ट में जब यह मामला पहुंचा, तो यही आरोप लगाया गया था कि आयोग के अनुसार प्रक्रिया स्वैच्छिक है, लेकिन जानकारी जुटाने के लिए जो फॉर्म लागू किया गया, उससे यह बात पता नहीं चलती। यही सवाल अब भी कायम रहेगा। दूसरी बड़ी चिंता है लोगों की प्राइवेसी को लेकर। आज प्राइवेट डेटा लीक सबसे बड़ी समस्या बन चुका है। जब आधार और वोटर आईडी का डेटाबेस मिल जाएगा, तो इसे सिक्योर करने की चुनौती भी ज्यादा बड़ी होगी। ऐसे सॉफ्टवेयर और टूल की जरूरत पड़ेगी, जिससे लोगों के मन में किसी तरह की आशंका न रहे। इस मामले के राजनीतिक पहलू पर नजर डालना भी जरूरी है। हाल में तृणमूल कांग्रेस ने डुप्लिकेट वोटर आईडी का मुद्दा उठाया। इससे पहले भी तमाम प्रमुख दल अपनी चिंता जता चुके हैं। जाहिर तौर पर चुनाव आयोग का मकसद यही है कि डुप्लिकेसी को खत्म किया जाए और हर एक वोट वैध हो। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने विदाई भाषण में बायोमीट्रिक पहचान की खासियत पर बात की थी। लेकिन, मसला है कि अभी पूरी प्रक्रिया स्वैच्छिक है। अगर यह आगे भी स्वैच्छिक रहती है तो आयोग को पूरा डेटा कैसे मिलेगा और जब पूरा डेटा ही नहीं होगा तो डुप्लिकेसी को कैसे खत्म किया जाएगा? सुप्रीम कोर्ट पहले ही साफ कर चुका है कि आधार को किसी भी सरकारी प्रक्रिया से जोड़ने के लिए साबित करना जरूरी होगा कि यह वाकई जरूरी है और इससे कोई नुकसान नहीं होगा। याद रखना होगा कि यह प्रक्रिया केवल प्रशासनिक नहीं, चुनावी व्यवस्था पर जनता के भरोसे से जुड़ी हुई है।

ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णय का भारत पर प्रभाव

अमेरिका में उपभोक्ता आधारित उत्पादों का आयात अधिक मात्रा में होता है और अब अमेरिका चाहता है कि इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ हो ताकि इन उत्पादों का अमेरिका में आयात कम हो सके। दक्षिण कोरीया, जापान, कनाडा, मेक्सिको आदि जैसे देशों की अर्थव्यवस्था केवल कुछ क्षेत्रों पर ही टिकी हुई है अत: इन देशों पर अमेरिका में बदल रही नीतियों का अधिक विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका में इस साल 20 जनवरी को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ली गई शपथ के उपरांत उनका प्रशासन आर्थिक एवं अन्य क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण फैसले बहुत तेज गति से ले रहा है। इससे विश्व के कई देश प्रभावित हो रहे हैं एवं कई देशों को तो यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि अंततः आगे आने वाले समय में इन फैसलों का प्रभाव इन देशों पर किस प्रकार होगा। ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को बढ़ा रहा है क्योंकि इन देशों द्वारा अमेरिका से आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि ह्लटिट फोर टेटह्व एवं ह्लरेसिप्रोकलह्व आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रैल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है।

अमेरिका में उपभोक्ता आधारित उत्पादों का आयात अधिक मात्रा में होता है और अब अमेरिका चाहता है कि इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ हो ताकि इन उत्पादों का अमेरिका में आयात कम हो सके। दक्षिण कोरीया, जापान, कनाडा, मेक्सिको आदि जैसे देशों की अर्थव्यवस्था केवल कुछ क्षेत्रों पर ही टिकी हुई है अतः इन देशों पर अमेरिका में बदल रही नीतियों का अधिक विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। जबकि भारत एक विविध प्रकार की बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था है, अतः भारत को कुछ क्षेत्रों में यदि नुकसान होगा तो कुछ क्षेत्रों में लाभ भी होने की प्रबल सम्भावना है। संभवतः अमेरिका ने भी अब यह एक तरह से स्वीकार कर लिया है कि भारत के कृषि क्षेत्र को टैरिफ युद्ध से बाहर रखा जा सकता है, क्योंकि भारत के किसानों पर इसका प्रभाव विपरीत रूप से पड़ता है। और, भारत यह किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा कि भारत के किसानों को नुक्सान हो।

डेयरी उत्पाद एवं समुद्रीय उत्पादों में भी आवश्यक खाने पीने की वस्तुएं शामिल हैं। भारत अपने देश में इन उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उद्देश्य से इन उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगाता है, ताकि अन्य देश सस्ते दामों पर इन उत्पादों को भारत के बाजार में डम्प नहीं कर सकें। साथ ही, भारत में मिडल क्लास की मात्रा में वृद्धि अभी हाल के कुछ वर्षों में प्रारम्भ हुई है अतः यह वर्ग देश में उत्पादित सस्ती वस्तुओं पर अधिक निर्भर है, यदि इन्हें आयातित महंगी वस्तुएं उपलब्ध कराई जाती हैं तो वह इन्हें सहन नहीं कर सकता है। अतः यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों को सस्ते उत्पाद उपलब्ध करवाए। अन्यथा, यह वर्ग एक बार पुनः गरीबी रेखा के नीचे आ जाएगा। भारत ने मुद्रा स्फीति को भी कूटनीति के आधार पर नियंत्रण में रखने में सफलता प्राप्त की है। रूस, ईरान, अमेरिका, इजराइल, चीन, अरब समूह आदि देशों के साथ अच्छे सम्बंध रखकर विदेशी व्यापार करने में सफलता प्राप्त की है। जहां से भी जो वस्तु सस्ती मिलती है भारत उस देश से उस वस्तु का आयात करता है। इसी नीति पर चलते हुए, कच्चे तेल के आयात के मामले में भी भारत ने विभिन्न देशों से भारी मात्रा में छूट प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है और ईंधन के दाम भारत में पिछले लम्बे समय से स्थिर बनाए रखने में सफलता मिली है।

अमेरिका द्वारा चीन, कनाडा एवं मेक्सिको पर लगाए गए टैरिफ के बढ़ाने के पश्चात इन देशों द्वारा भी अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर टैरिफ लगा दिए जाने के उपरांत अब विभिन्न देशों के बीच व्यापार युद्ध एक सच्चाई बनता जा रहा है। परंतु, क्या इसका असर भारत के विदेशी व्यापार पर भी पड़ने जा रहा है अथवा क्या कुछ ऐसे क्षेत्र भी ढूढ़े जा सकते हैं जिनमें भारत लाभप्रद स्थिति में आ सकता है। जैसे, अपैरल (सिले हुए कपड़े) एवं नान अपैरल टेक्सटायल का मेक्सिको से अमेरिका को निर्यात प्रतिवर्ष लगभग 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहता है और मेक्सिको का अमेरिका को निर्यात के मामले में 8वां स्थान है। अमेरिका द्वारा मेक्सिको से आयात पर टैरिफ लगाए जाने के बाद टेक्सटायल से सम्बंधित उत्पाद अमेरिका में महंगे होने लगेंगे अतः इन उत्पादों का आयात अब अन्य देशों से किया जाएगा। मेक्सिको अमेरिका को 250 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कॉटन अपैरल का निर्यात करता है एवं 150 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नान कॉटन अपैरल का निर्यात करता है। कॉटन अपैरल के आयात के लिए अब अमेरिकी व्यापारी भारत की ओर देखने लगे हैं एवं इस संदर्भ में भारत के निर्यातकों के पास पूछताछ की मात्रा में वृद्धि देखी जा रही है। इन परिस्थितियों के बीच, टेक्स्टायल उद्योग के साथ ही, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, इंजीयरिंग क्षेत्र एवं श्रम आधारित उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी भारत को लाभ हो सकता है।यदि अमेरिका अपने देश में हो रहे उत्पादों के आयात पर टैरिफ में लगातार वृद्धि करता है तो यह उत्पाद अमेरिका में बहुत महंगे हो जाएंगे और इससे अमेरिकी नागरिकों पर मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। क्या अमेरिकी नागरिक इस व्यवस्था को लम्बे समय तक सहन कर पाएंगे। उदाहरण के तौर पर फार्मा क्षेत्र में भारत से जेनेरिक्स दवाईयों का निर्यात भारी मात्रा में होता है। यदि अमेरिका भारत के उत्पादों पर टैरिफ लगाता है तो इससे अधिक नुक्सान तो अमेरिकी नागरिकों को ही होने जा रहा है। भारत से आयात की जा रही सस्ती दवाएं अमेरिका में बहुत महंगी हो जाएंगी। इससे अंततः अमेरिकी नागरिकों के बीच असंतोष फैल सकता है। अतः अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन के लिए टैरिफ को लम्बे समय तक बढ़ाते जाने की अपनी सीमाएं हैं।

अमेरिका विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र एवं सबसे बड़ा विकसित देश है और इस नाते अन्य देशों के प्रति अमेरिका की जवाबदारी भी है। टैरिफ बढ़ाए जाने के सम्बंध में एकतरफा कार्रवाई अमेरिका की अन्य देशों के साथ सौदेबाजी की क्षमता तो बढ़ा सकती है परंतु यह कूटनीति लम्बे समय तक काम नहीं आ सकती है। अमेरिकी नागरिकों के साथ-साथ अन्य देशों में भी असंतोष फैलेगा। कोई भी व्यापारी नहीं चाहता कि नीतियों में अस्थिरता बनी रहे। इसका सीधा सीधा असर विश्व के समस्त स्टॉक मार्केट पर विपरीत रूप से पड़ता हुआ दिखाई भी दे रहा है। यदि यह स्टॉक मार्केट के अतिरिक्त अन्य बाजारों एवं नागरिकों के बीच में भी फैला तो मंदी की सम्भावनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है। अमेरिका के साथ साथ अन्य कई देश भी मंदी की चपेट में आए बिना नहीं रह पाएंगे। अर्थात, इस प्रकार की नीतियों से विश्व के कई देश विपरीत रूप में प्रभावित होंगे।

अमेरिका को भी टैरिफ के संदर्भ में इस बात पर एक बार पुनः विचार करना होगा कि विकसित देशों पर तो टैरिफ लगाया जा सकता है क्योंकि अमेरिका एवं इन विकसित देशों में परिस्थितियां लगभग समान है। परंतु विकासशील देशों जैसे भारत आदि में भिन्न परिस्थितियों के बीच तुलनात्मक रूप से अधिक परेशानियों का सामना करते हुए विनिर्माण क्षेत्र में कार्य हो रहा है, अतः विकसित देशों एवं विकासशील देशों को एक ही तराजू में कैसे तौला जा सकता है। विकासशील देशों ने तो अभी हाल ही में विकास की राह पर चलना शुरू किया है और इन देशों को अपने करोड़ों नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाना है। इनके लिए विकसित देश बनने में अभी लम्बा समय लगना है। अतः विकसित देशों को इन देशों को विशेष दर्जा देकर इनकी आर्थिक मदद करने के लिए आगे आना चाहिए। अमेरिका को विकसित देश बनने में 100 वर्ष से अधिक का समय लग गया है और फिर विकासशील देशों के साथ इनकी प्रतिस्पर्धा कैसे हो सकती है। विकासशील देशों को अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने का अधिकार है, अतः विकासशील देश तो टैरिफ लगा सकते हैं परंतु विकसित देशों को इस संदर्भ में पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

(लेखक आर्थिक विश्लेषक हैं।)

अब रुपये (₹) के चिह्न पर विवाद!

1965 में हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के प्रस्ताव के खिलाफ तमिलनाडु में बड़े आंदोलन हुए थे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने पहले भी नीट, नई शिक्षा नीति और सरकारी नौकरियों में हिन्दी प्राथमिकता का विरोध किया है। अब रुपये के चिह्न को लेकर विवाद द्रमुक के उसी एजेंडे का विस्तार है। द्रमुक का मानना है कि ? चिह्न देवनागरी लिपि के '₹' (रुपया) से प्रेरित है, जिससे हिन्दी को प्राथमिकता मिलती है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

द्रविड़ मुनेत्र कषगम। इसके दो और नाम हैं। एक-द्रमुक और दूसरा डीएमके। कुछ लोग इसे द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम भी कहते हैं। द्रमुक अब तक हिन्दी थोपने के विरोध में और तमिल भाषा की पहचान को बचाने के लिए मुखर रही है। अब उसने रुपये के चिह्न (₹) को लेकर आपत्ति जताई है। पार्टी का कहना है कि इस चिह्न में भारतीय संस्कृति और विशेष रूप से दक्षिण भारतीय पहचान को उचित स्थान नहीं दिया गया है। भारतीय मुद्रा के चिह्न (₹) को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम और कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों की आपत्ति क्या वाकई भाषा से जुड़ा विवाद है, या फिर यह सिर्फ.एक राजनीतिक रणनीति? इस सवाल के कई पहलू हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम और कुछ अन्य दक्षिण भारतीय दलों का तर्क है कि रुपये का चिह्न देवनागरी के '₹' अक्षर से प्रेरित है, जो हिन्दी को प्राथमिकता देता है और अन्य भारतीय भाषाओं की अनदेखी करता है। हालांकि, इस चिह्न को डिजाइन करने वाले उदय कुमार धरणी (आईआईटी गुवाहाटी) का कहना था कि इसका डिजाइन देवनागरी '₹' और रोमन '₹' दोनों से प्रेरित है, ताकि भारतीय और वैश्विक पहचान का मिश्रण दिखाया जा सके। द्रविड़ मुनेत्र कषगम लंबे समय से हिन्दी थोपने के खिलाफ रही है। 1965 में हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के प्रस्ताव के खिलाफ तमिलनाडु में बड़े आंदोलन हुए थे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने पहले भी नीट, नई शिक्षा नीति और सरकारी नौकरियों में हिन्दी प्राथमिकता का विरोध किया है। अब रुपये के चिह्न को लेकर विवाद द्रमुक के उसी एजेंडे का विस्तार है। द्रमुक का मानना है कि ? चिह्न देवनागरी लिपि के '₹' (रुपया) से प्रेरित है, जिससे हिन्दी को प्राथमिकता मिलती है, जबकि भारत की अन्य भाषाओं की उपेक्षा होती है। इस पार्टी और तमिलनाडु के कुछ अन्य संगठनों का तर्क है कि रुपये का चिह्न देवनागरी लिपि के '₹' से प्रेरित है, जिससे हिन्दी को प्राथमिकता मिलती है और अन्य भारतीय भाषाओं, विशेष रूप से द्रविड़ भाषाओं (तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम) को उपेक्षित किया गया है। उनका मानना है कि मुद्रा का चिह्न ऐसा होना चाहिए, जो सभी भारतीय भाषाओं का समान रूप से प्रतिनिधित्व करे। दक्षिण भारतीय राज्यों में हिन्दी थोपने के खिलाफ पहले से ही एक मजबूत भावना मौजूद है और यह विवाद उसी का विस्तार माना जा सकता है। पार्टी का तर्क है कि भारत की मुद्रा का प्रतीक चिह्न ऐसा होना चाहिए, जो सभी भाषाओं और संस्कृतियों का समान रूप से प्रतिनिधित्व करे। इन दोलों का मानना है कि तमिल समेत दक्षिण भारतीय भाषाओं को केंद्रीय स्तर पर वह पहचान नहीं मिलती, जिसकी वे हकदार हैं। द्रमुक और तमिलनाडु की अन्य पार्टियां हिन्दी थोपने के विरोध में कई बार आंदोलन कर चुकी हैं। द्रमुक की पूरी राजनीति ही तमिल पहचान और केंद्र के 'हिंदी वर्चस्व' के खिलाफ विरोध के इर्द-गिर्द घूमती रही है। यह मुद्दा 1960 के दशक में हिन्दी विरोधी आंदोलनों से शुरू हुआ था और अब तक जारी है। 2010 में जब ? चिह्न को अपनाया गया, तब भी यह बहस उठी थी। द्रविड़ मुनेत्र कषगम का इस मुद्दे को फिर से उछालना एक राजनीतिक रणनीति हो सकती है, ताकि तमिल अस्मिता को लेकर अपनी स्थिति मजबूत की जा सके।

हालांकि द्रविड़ मुनेत्र कषगम की कुछ आपत्तियां तर्कसंगत हो सकती हैं, लेकिन इसे पूरी तरह से भाषा का मुद्दा मानना भी सही नहीं होगा। द्रमुक केंद्र की नीतियों के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत करने और क्षेत्रीय राजनीति को धार देने के लिए ऐसे मुद्दों को उभारती है। यह विवाद तमिलनाडु की राजनीति में द्रविड़ मुनेत्र कषगम की पकड़ बनाए रखने और भाजपा के 'हिन्दी-हिन्दू' एजेंडे का विरोध करने का एक तरीका भी हो सकता है।? चिह्न किसी एक भाषा का प्रतीक नहीं है, बल्कि इसे भारतीय संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। पहले से ही यह चिह्न पूरे देश में स्वीकार किया जा चुका है, इसलिए अब इसे बदलने की कोई व्यावहारिक जरूरत नहीं है। इस मुद्दे को उछालना एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति ज्यादा लगती है, बजाय किसी वास्तविक समस्या के। द्रमुक इस मुद्दे को उछालकर केंद्र सरकार, खासकर भाजपा पर हिन्दी वर्चस्व थोपने का आरोप लगा रही है। इससे दक्षिण भारत बनाम उत्तर भारत का मुद्दा उभरता है, जिससे उसे तमिलनाडु में और समर्थन मिलता है। **(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

प्रदोष व्रत पर चालीसा का करें पाठ तो होगी मनोकामनाएं पूर्ण

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत को प्रमुख व्रतों में से माना जाता है। प्रदोष व्रत में भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि जो भी जातक इस व्रत को सच्चे मन और श्रद्धा के साथ करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। क्योंकि माना जाता है कि यह दिन भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और फिर भगवान भोलेनाथ को भांग, धतूरा, आक और बेल पत्र आदि अर्पित करें और मां पार्वती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करें। इसके बाद पार्वती चालीसा का पाठ करें। पूजा के अंत में आरती करें और पूजा में हुई भूलचूक के लिए क्षमायाचना करें। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पार्वती चालीसा के बारे में बताने जा रहे हैं।

पार्वती चालीसा

॥ दोहा ॥
जय गिरी तनये दक्षजे,शम्भु प्रिये गुणखानि।
गणपति जननी पार्वती,अम्बे! शक्ति! भवानि॥

॥ चौपाई ॥
ब्रह्मा भेद न तुम्हरो पावे।
पंच बदन नित तुमको ध्यावे॥
षड्मुख कहि न सकत यश तेरो।
सहसबदन श्रम करत घनेरो॥
तेऊ पार न पावत माता।
स्थित रक्षा लय हित सजाता॥
अधर प्रवाल सदृश अरुणारे।
अति कमनीय नयन कजरारे॥
ललित ललाट विलेपित केशर।
कुंकुम अक्षत शोभा मनहर॥
कनक बसन कंचुकी सजाए।
कटी मेखला दिव्य लहराए॥
कण्ठ मदार हार की शोभा।
जाहि देखि सहजहि मन लोभा॥
बालारुण अनन्त छबि धारी।
आभूषण की शोभा प्यारी॥
नाना रत्न जटित सिंहासन।
तापर राजति हरि चतुरानन॥
इन्द्रादिक परिवार पूजित।
जग मृग नाग यक्ष रव कूजित॥
गिर कैलास निवासिनी जय जय।
कोटिक प्रभा विकासिन जय जय॥
त्रिभुवन सकल कुटुम्ब तिहारी।
अणु अणु महं तुम्हारी उजियारी॥
हैं महेश प्राणेश! तुम्हारे।
त्रिभुवन के जो नित रखवारे॥
उनसो पति तुम प्राप्त कीन्ह जब।
सुकृत पुरातन उदित भए तब॥
बूढ़ा बैल सवारी जिनकी।
महिमा का गावे कोउ तिनकी॥
सदा श्मशान बिहारी शंकर।
आभूषण हैं भुजंग भयंकर॥
कण्ठ हलाहल को छबि छायी।
नीलकण्ठ की पदवी पायी॥
देव मगन के हित अस कीन्हों।
विष लै आपु तिनहि अमि दीन्हों॥
ताकी तुम पत्नी छवि धारिणि।
दूरित विदारिणी मंगल कारिणि॥
देखि परम सौन्दर्य तिहारो।
त्रिभुवन चकित बनावन हारो॥
भय भीता सो माता गंगा।
लज्जा मय है सलिल तरंगा॥
सौत समान शम्भु पहआयी।
विष्णु पदाब्ज छोड़ि सो धायी॥
तेहिकों कमल बदन मुरझायो।
लखि सत्वर शिव शीश चढ़ायो॥
नित्यानन्द करी बरदायिनी।
अभय भक्त कर नित अनपायिनी॥
अखिल पाप त्रयताप निकन्दिनि।
माहेश्वरी हिमालय नन्दिनि॥
काशी पुरी सदा मन भायी।
सिद्ध पीठ तेहि आपु बनायी॥
भगवती प्रतिदिन भिक्षा दात्री।
कृपा प्रमोद सनेह विधात्री॥
रिपुक्षय कारिणि जय जय अम्बे।
वाचा सिद्ध करि अवलम्बे॥
गौरी उमा शंकरी काली।
अन्नपूर्णा जग प्रतिपाली॥
सब जन की ईश्वरी भगवती।
पतिप्राणा परमेश्वरी सती॥
तुमने कठिन तपस्या कीनी।
नारद सों जब शिक्षा लीनी॥
अन्न न नीर न वायु अहारा।
अस्थि मात्रतन भयउ तुम्हारा॥
पत्र घास को खाद्य न भायउ।
उमा नाम तब तुमने पायउ॥
तप बिलोकि रिषि सात पधारे।
लगे डिगावन डिगी न हारे॥
तब तव जय जय जय उच्चारेउ।
सप्तरिषि निज गेह सिधारेउ॥
सुर विधि विष्णु पास तब आए।
वर देने के वचन सुनाए॥
मांगे उमा वर पति तुम तिनसों।
चाहत जग त्रिभुवन निधि जिनसों॥
एवमस्तु कहि ते दोऊ गए।
सुफल मनोरथ तुमने लए॥
करि विवाह शिव सों हे भामा।
पुनः कहाई हर की बामा॥
जो पढ़िहै जन यह चालीसा।
धन जन सुख देइहै तेहि ईसा॥

॥ दोहा ॥
कूट चन्द्रिका सुभग शिर,जयति जयति सुख खानि।
पार्वती निज भक्त हित,रहहु सदा वरदानि॥

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

सारे मानकों को ध्यान में रखते हुए ही खनन कार्य करेंग : उपायुक्त

मेट्रो रेज

दुमका : जिले के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे, खान सुरक्षा निदेशक, क्षेत्र संख्या-3, मध्य अंचल, धनबाद साजेश कुमार एवं खान सुरक्षा उपनिदेशक मिथलेश कुमार की उपस्थिति में मंगलवार को खान अधिनियम, 1952 एवं खान नियम, 1955 के तहत सिलिकोसिस बीमारी से प्रभावित खान श्रमिकों का व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सर्वेक्षण (सिलिकोसिस) का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने दुमका जिला अन्तर्गत विभिन्न अंचलों में चल रहे पत्थर खदानों में कार्यरत श्रमिकों एवं खान मालिकों को संबोधित करते हुए कहा कि दुमका जिले में खनन गतिविधियां बहुत अधिक मात्रा में चल रही है, आने वाले समय में इस जिले में बहुत ही वृहद पैमाने पर खनन का कार्य होने वाला है। स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराए ताकि पालनयन को कम किया जा सके। प्रायः यह देखा जाता है कि खनन क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा को

लेकर पूरी एहतियात नहीं बरती जाती है। जिस वजह से श्रमिक बीमार हो सकते है। आपकी छोटी छोटी व्यवस्था से श्रमिकों को बीमार होने से बचाया जा सकता है। सबसे बड़ी समस्या खनन क्षेत्र में धूल से होती है। धूल के कारण श्रमिकों को सिलिकोसिस, बहरापन, लंग की समस्या होती है। सभी खनन कार्यों में श्रमिकों को प्रति 5 घंटे में नए मास्क का उपयोग करना अनिवार्य है, सर के बाल को बचाने के लिए कैप का उपयोग करे, ब्लास्टिंग में नई तकनीक का इस्तेमाल करे ताकि अधिक ध्वनि को कम किया जा सके और श्रमिकों को बहरापन से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी श्रमिक को खान कार्यों में लगाने से पूर्व उसका मेडिकल जांच करवा ले कि वह पहले से कोई बीमारी से ग्रसित तो नहीं। अगर ऐसा है तो उन्हें डस्ट फ्री क्षेत्र में ही कार्य करवाए। आपके एहतियात नहीं बरतने के वजह से अगर किसी श्रमिक की जान जाएगी तो इसमें आपको काफी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। इसलिए आपसे यह उम्मीद है कि सारे मानकों को ध्यान में रखते हुए ही खनन कार्य करेंगे। इसी क्रम में खान सुरक्षा निदेशक, क्षेत्र संख्या-3, मध्य अंचल, धनबाद साजेश कुमार ने उपस्थित लोगों को व्यवसायिक जांच शिविर से संबंधित सभी बातों से अवगत कराया। उन्होंने प्रत्येक 3 महीने में खनन क्षेत्र में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने की बात कही। कहा कि 2017 से लगातार पूरे खनन क्षेत्र में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जा रहा है। ओर चिंता का विषय यह है कि अब तक झारखंड में लगभग 50 सिलिकोसिस के मरीज मिल चुके है। हमें इस बीमारी को फैलने से रोकने का कार्य करना है। इसके लिए खनन क्षेत्र में पानी के छिड़काव की व्यवसाय रखे। पूरे खनन क्षेत्र में पानी के छिड़काव मात्र से ही 80% डस्ट को रोका जा सकता है। एक्सकावेटर ऑपरेटर्स को क्लोसड एरिया में बैठा कर कार्य करने की व्यवस्था दे। कैप, मास्क का उपयोग अवश्य करें। सिविल सर्जन डॉ. बच्चा प्रसाद सिंह ने कहा कि गोपीकांदर एवं शिकारीपाड़ा के खनन क्षेत्र में लोगों की स्वास्थ्य की स्थिति काफी खराब है। यह डस्ट की वजह से होता है। डस्ट में कार्य कर रहे लोगों का खासी होना, छाती भारी होना, कान से सुनाई कम देना इत्यादि कई बीमारी होती है। खनन कार्य में श्रमिकों को फुल बॉडी कवर करवा कर ही काम कराए। प्रति 3 महीने में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे और सभी श्रमिकों एवं ग्रामीणों का स्वास्थ्य जान कराया जाएगा। मौके पर खान सुरक्षा उप निदेशक, सिविल सर्जन, जिला खनन पदाधिकारी, जिला अन्तर्गत विभिन्न अंचलों में चल रहे पत्थर खदानों में कार्यरत श्रमिक एवं खान मालिक सहित अन्य उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

एसकेएमयू में कार्यशाला कल

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में 20 मार्च2025 को एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यशाला विवि के कुलपति प्रो.डॉ. बिमल प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में आयोजित कीजाएगी। यह कार्यशाल उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखंड सरकार बके सहयोग से डिजिटल गवर्नेंस एंड लर्निंग एन्हांसमेंट इनिशिएटिव के तहत सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के एडमिन ब्लॉक में स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया जायेगा। इसमें विवि के सभी पदाधिकारी, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, सभी अंगीभूत कॉलेजों के प्राचार्य या प्रोफेसर इंचार्ज, संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्य एवं ई समर्थ के नोडल पदाधिकारी आदि भाग लेंगे। इस कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन उच्च शिक्षा विभाग से आएंगे एवं कार्यशाला के मुख्य अतिथि आईआईटी आईएसएम धनबाद के गणित एवं कंप्यूटिंग विभाग के डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह होंगे।

आग लगी की घटना में किसी का कोई हताहत होने की सूचना नहीं

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्रके मोहनपुर पंचायत अंतर्गत चौकीधाब हटिया निवासी मारंगमय मुर्मू पति-मुंशी मुर्मू की पुवाल के ढेर में मंगलवार की दोपहर को अचानक आग लग गई। हालांकि आग कैसी लगी है। इसकी जानकारी नहीं मिल पाईहै। आगलगी की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ लग गई। वही घटना की जानकारी राधानगर पुलिस को दी। इधर घटना की जानकारी मिलते ही राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने एएसआई मनोज कुमार पासवान को अग्निशमन वाहन को घटनास्थल पर भेज दिया गया। वही अग्निशमन कर्मियों के द्वारा आग पर काबू पाया और आग लगी की घटना में किसी का कोई हताहत होने की सूचना नहीं है। पीड़ित परिजनों के अनुसार पुवाल जलने से हजारों रुपए की क्षती हुई है। इधर आग लगी की सूचना पाकर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष आयुब अली उर्फ बबुआ घटनास्थल पर पहुंचकर घटना से संबंधित जानकारी ली।

आपकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई : एसपी

साहिबगंज: जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाईन एसपी कार्यालय के कक्ष में एसपी अमित कुमार सिंह ने एएस आई अनिल कुमार सिंह को प्रोन्नति सब निरीक्षक को मिलने के बाद उनके कंधे पर एक और सितारा व बैच लगाते हुए बधाई देकर हौसला अफजाई किया। इस संबंध में एसपी श्री सिंह ने कहा कि आपके कंधे पर एक सितारा बढ़ाने के साथ ही आपकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है।अब अधिक निष्ठा और कर्तव्य का पालन करना होगा। इस अवसर पर राजमहल निरीक्षक श्यामलाल हांसदा सहित कई पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

श्रमिकों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाएं : उपायुक्त

साहिबगंज :उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में श्रम विभाग व कौशल विकास अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।उपायुक्त ने मेधावी पुत्र-पुत्री छात्रवृत्ति योजना, सेफ्टी किट सहायता योजना, मातृत्व प्रस्तुति सहायता योजना, झारखंड निर्माण कर्मकार मृत्यु-दुर्घटना सहायता योजना अंत्येष्टि सहायता योजना एवं औजार किट सहायता योजना के तहत लाभार्थियों के रजिस्ट्रेशन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं को और प्रभावी बनाने और अधिक से अधिक श्रमिकों तक लाभ पहुंचाने के लिए निर्देशित किया।बैठक के दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। कि वे श्रमिकों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाएं ताकि वे सरकार की योजनाओं का अधिक लाभ उठा सकें। उन्होंने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल बनाने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।इस अवसर पर जिला श्रम अधीक्षक धीरेंद्र नाथ महतो, परियोजना सहायक यूएनडीपी कौशल विभाग प्रमोद साहनी सहित अन्य उपस्थित थे।

कोई भी निजी स्कूल आरटीआई नियम का पालन नहीं कर रहा है : नदीम

साहिबगंज :शहर के विभिन्न समस्याओं को लेकर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष एकलाख नदीम ने साहिबगंज उपायुक्त को पत्र लिखा।उन्होंने पत्र में बताया कि साहिबगंज 80 ग्रीन होटल से लेकर पूर्वी फाटक तक शहर के मेन बाजार में कम्पनी के द्वारा काम नहीं किया गया।धूल कण प्रदूषण से दुकानदार के साथ आम जनता तक परेशान है।उसे जल्द बनाया जाए।उन्होंने कहा कि सदर प्रखण्ड एमओ के द्वारा शहरी क्षेत्रों के हजारों राशन कार्ड ऑन लाईन किया गया।एमओं की अव्यवस्था के कारण आम जनता का राशन कार्ड नहीं बन पा रहा है।जब इस संबंध में जिला आपूर्ति कार्यालय में पता किए तो बताया गया कि प्रखण्ड से ही बहुत धीरे धीरे भेजा जा रहा है।जिससे गरीब असहाय लोगों को सरकार का लाभ नहीं मिल पा रहा है,साथ ही आम जनता सरकार की कई योजनाओं से वंचित रह जाता है।वही उन्होंने बताया कि साहेबगंज जिला के निजी स्कूल के नामांकन के नाम पर मोटी रकम आम गरीब से वसूली की जा रही है।संत जेवियर स्कूल एवं अन्य स्कूलों के नामांकन शुल्क गरीब के सोच से परे है।श्री नदीम ने बताया कि आरटीई के तहत पच्चीस प्रतिशत गरीब बच्चों को नामांकन किया जाना है परन्तु कोई भी निजी स्कूल इसका पालन नहीं कर रहा है।उन्होंने सभी स्कूलों का जांच करा कर गरीब बच्चों को लाभ दिलाने की मांग की है।

अमर जॉन आईन्द ने अपना पदभार संभाला

साहिबगंज :झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द ने अनुमंडल कार्यालय साहिबगंज में अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में वर्तमान में पदस्थापित अनुमंडल पदाधिकारी अंगार नाथ स्वर्णकार से अपना पदभार ग्रहण किया ।इसके पूर्व जॉन आईन्द जिला परिवहन पदाधिकारी देवघर में पदस्थापित थे। उन्होंने कहा कि हमारे पहले पथमिकता जनता की सेवा होगी।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

साहिबगंज/बरहरवा : मंवलवार को बरहरवा थाना क्षेत्र के झिकटिया गांव में अहले सुबह एक 16 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लिला समाप्त कर लिया।मिली जानकारी के मुताबिक झिकटिया गांव निवासी स्व०सुन्दर प्रमाणिक का 16 वर्षीय पुत्र गौरव प्रमाणिक सोमवार की रात्रि खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया।मंगलवार की अहले सुबह लगभग 4 बजे सुबह जब उसकी नानी उठी और उसके कमरे के तरफ गई तो देखा की गौरव फांसी के फंदे में झुला हुआ है। इसके बाद इसकी खबर मिलने के बाद उसके घर में लोगो को भीड़ लग गया।हलाकि उसने फांसी क्यों लगाई इसके कारणों का पता नही चल पाया है।सुचना मिलने पर बरहरवा थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु राजमहल भेज दिया पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

उपायुक्त ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

मेट्रो रेज

दुमका : भारत के चुनाव आयोग के निदेश पर चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत करने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक किया गया। बैठक में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, मतदाताओं का पंजीकरण नियम, 1960,चुनाव संचालन नियम, 1961; माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और भारत के चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देश, मैनुअल और हैंडबुक का अनुपालन करते हुए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के संबंध में चर्चा की गयी तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के सुझाव आमंत्रित किये गये। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मतदाता सूची त्रुटिरहित हो, प्रत्येक मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो।कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ना, हटाना, सुधार करना आदि का काम निरंतर चलता रहता है। उन्होने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि अपने अपने क्षेत्र के बीएलओ के साथ निरंतर सम्पर्क में रहें तथा अपने बूथ लेवल एजेंट अथवा कार्यकर्ता के माध्यम से मतदाता सूची के अपडेशन में अपेक्षित सहयोग करें।अगर कोई डुप्लीकेट मतदाता हैं अथवा वैसे मतदाता जिनके मतदाता पहचान पत्र की तस्वीर ब्लैक एंड व्हाइट है इसकी सूचना भी बीएलओ को दें।साथ ही बताया गया कि राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट अथवा कार्यकर्ता एक बार में अधिकतम 10 आवेदन प्रपत्र बीएलओ को जमा कर सकते हैं।

अपहरण मामले में पुलिस ने की छापेमारी

साहिबगंज/उधवा : पश्चिम बंगाल के मानिकचक थाना क्षेत्र से दो लड़कियों का अपहरण किए जाने के मामले में बंगाल पुलिस ने दूसरे दिन भी छापेमारी की। जानकारी के अनुसार अमानत गांव के राहुल चौधरी के फरार रहने पर पुलिस आरोपी की तलाश में दूसरे दिन भी स्थानीय पुलिस के सहयोग से छापेमारी की। सूत्रों की माने तो थाना क्षेत्र के विभिन्न गुप्त ठिकानों में ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। हालाकी पुलिस को कोई सफलता हाथ नहीं लगी। ज्ञात हो कि राधानगर थाना क्षेत्र के अमानत और चतराडीह गांव के दो युवक रविवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिला अंतर्गत मानिकचक थाना क्षेत्र की दो लड़कियों को शादी का झांसा देकर अपहरण किया था। मामले में आरोपी के विरुद्ध लड़की के परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमे पुलिस द्वारा अनुसंधान किए जाने पर राधानगर थाना क्षेत्र के दो लोगों को संलिप्तता सामने आई थी। वही सोमवार को छापेमारी में चतराडीह गांव के सूरज मंडल को गिरफ्तार किया था। साथ में पुलिस ने लड़की को भी आरोपी के चुंगल से सकुशल बरामद करने में सफलता मिली थी।

खनन माफियाओं पर नकेल कसने व कार्रवाई का निर्देश

मेट्रो रेज

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में मंगलवार को जिले के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में अवैध खनन एवं अवैध खनिज परिवहन के रोकथाम को लेकर जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आहूत की गई। उपायुक्त ने अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम को लेकर टास्क फोर्स की टीम को अभियान चलाकर छापेमारी करते हुए संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कर रोकथाम करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त श्री दोड्डे ने अवैध खनन की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए खनन माफियाओं पर नकेल कसने और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। समीक्षा के क्रम में जिला अंतर्गत बालू, पत्थर के अवैध

खनन, परिवहन व भंडारण, जांच, रॉयल्टी संग्रहण की समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार जांच अभियान चलाने, नियमानुसार धारित खनन पट्टों का उपयोग, क्रशर संचालन के नियमों का पालन, अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई, सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए क्रशर संचालन आदि की समीक्षा की गई।

बैठक में प्रशिक्षु आईएफएस, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी सहित अन्य उपस्थित थे।

खाना बनाने के दौरान लगी आग, दो आशियाना जलकर राख

मेट्रो रेज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लगातार आगलगी की घटना घटित हो रही है। इस घटना में लोगों को अब तक लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। लगातार हो रही आगलगी की घटना को लेकर लोगों में भय व्याप्त है। इसी कड़ी में एक और आगलगी की घटना घटित हुई है। दरअसल यह घटना रमजान के सेहरी का खाना बनाने के क्रम में हुई। जहां खाना बनाने के दौरान लगी आग से पल भर में दो आशियाना जलकर राख हो गया है। इस घटना में लाखों की संपत्ति जलने का अनुमान लगाया गया है। घटना राधानगर थाना अंतर्गत अमानत दियारा पंचायत के

कटहली टोला गांव की है। बताया जा रहा है। कि मंगलवार को तजामुल शेख के घर में उसकी पत्नी रमजान के सेहरी का खाना बना रही थी। तभी चूल्हे से निकली चिंगारी चारों ओर फैल गई और आग विकराल रूप धारण कर लिया। आग इतनी भयानक थी कि पड़ोस के एक घर को भी अपनी चपेट में ले लिया। जिससे मुमताज शेख और तजामूल शेख के घर धू धू कर जलने लगा। इस हादसे में घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आगलगी में तजामुल शेख के घर में रखे एक अपाची बाइक व नगदी 50 हजार और मुमताज शेख के घर में रखे सारा सामान आगलागी की भेंट चढ़ चुका है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना तड़के सहरी के वक्त हुई जब घर के सदस्य भोजन तैयार कर रहे थे। अचानक चूल्हे से निकली चिंगारी ने पास रखे सामान में आग पकड़ ली और कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे घर को चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया।लेकिन आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते दो घर पूरी तरह से जल गया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर किसी तरह काबू पाया जा सका। आगलगी में पीड़ित परिवार को लाखों का नुकसान पहुंचा है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे है।

कीटनाशी छिड़काव का हुआ उद्घाटन

मेट्रो रेज

साहिबगंज : सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों के अंतर्गत कालाजार प्रभावित गाँव बोरियों संथाली में आइआर एस प्रथम चक्र कीटनाशी छिड़काव का उद्घाटन डॉ॰ प्रवीण कुमार संथालिया सिविल सर्जन साहिबगंज, डॉ॰ सालखु चन्द्र हांसदा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बोरियों एवं डॉ॰ सत्ती बाबू डाबडा जिला भीबीडी सलाहकार के द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाते हुए रैली निकाल कर किया गया।जिसमे पुरे गाँव मे ग्रामीणों को रैली के माध्यम से छिड़काव से सम्बंधित जागरूक करते हुए लोगों को घर के सभी कमरों, गौशाला, बरामदा आदि जगहों मे छिड़काव करवाने का संदेश दिए। साथ ही छिड़काव

कार्य का निरक्षण किए एवं उपस्थित सभी एमपीडब्ल्यू व छिड़काव कर्मियों को आवश्यक दिशा- निर्देश देते हुए सभी घरों मे गुणवत्तापूर्ण छिड़काव कराने को कहा गया! मौके पर डॉ॰ विनोद कुमार चिकित्सा पदाधिकारी, मोॅ॰ मुजाहिद अख्तर एफएलए बिष्णु कुमार भगत बीपीएम, मनोहर पंडित मटीएस, विकास कुमार पंडित बीटीटी, सुमन कुमार डब्ल्यूएचओ मॉनिटर, सभी एमपीडब्ल्यू , सहिया साथी एवं सहिया आदि स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

विधायक कक्ष में जनता दरबार में सुनी आम जनों की समस्या

मेट्रो रेज

साहिबगंज/बरहरवा: पाकुड़ विधायक निसात आलम के निदेर्शानुसार बरहरवा प्रखंड मुख्यालय स्थित विधायक कक्ष में प्रत्येक मंगलवार को जनता दरबार लगाया जाता है।जहाँ विधायक कक्ष में ज़िला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान आम जनों की समस्या से रूबरू होते है।और लोगों की समस्याओं का निदान करते है।जनता दरबार में ग्रामीण एवं नगर पंचायत के लोगों ने अपनी अपनी समास्याओं को बरकत खान के समक्ष रखा।जिसमें मुख्य रूप से मईया सम्मान योजना से संबंधित समस्याएं,पेंशन बंद हो जाने तथा स्वीकृत नहीं होने से सम्बन्धित,बिजली बिल के ज्यादा आ जाने से संबंधित समस्याएं अबुवाआवास,अंबेडकर आवास एवं अंचल से संबंधित समस्याए सम्मिलित थे।जिला अध्यक्ष बरकत खान ने सभी समस्याओं को बारिकी से सुना तथा सभी समस्याओं से संबंधित पदाधिकारियों से

वार्तालाप कर समस्याओं का निबटारा करवाया।वहीं मईया सम्मान योजना के लाभुकों को 7500 की अंतिम राशि ना मिलने पर विधायक कक्ष में महिलाओं की बहुत ज्यादा भीड़ थी।सभी का आवेदन मोबाइल नंबर के साथ जमा लिया गया और बताया गया की विभागीय जांच करवाकर मोबाइल पर सूचित कर दिया जाएगा।जनता दरबार में बटाईल पंचायत के चण्डी झोपडीया से पहुंचे ग्रामीणों ने आवेदन के माध्यम से ट्रांसफर्मर जल जाने की समास्याओं को बरकत खान के समक्ष रखा वहीं बरकत खान ने सहायक विद्युत अभियंता बरहरवा को आवेदन के आलोक में आवश्यक कारवाई हेतु अग्रसारित किया।वहीं बरारी पंचायत से गणेशपुर के अबुवा आवास के एक लाभुक रेखा मण्डल के खाते में प्रथम किस्त का भुगतान होने के उपरांत मृत्यु हो जाने से संबंधित समस्या भी विधायक कक्ष में उनके पति राजकुमार मण्डल के द्वारा आया।विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने उप विकास आयुक्त साहिबगंज से मोबाइल पर वातार्लाप कर समस्या की जानकारी दी,उप विकास आयुक्त ने समस्या का समाधान जल्द करवाने का आश्वासन दिया।बरकत खान ने बताया कि क्षेत्र के लोगों का समस्याओं का हो समाधान इसी क्रम में प्रत्येक मंगलवार को विधायक कक्ष में निस्वार्थ भाव से लगाया जाता है जनता दरबार।वहीं विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कहा कि विधायक कक्ष में हम जनता दरबार के माध्यम से जनता का काम करते आए हैं और आगे भी निस्वार्थ भाव से करते रहेंगे।हमारी प्राथमिकता क्षेत्र के लोगों का निस्वार्थ भावना से यथासंभव समस्याओं का निदान करना है।मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू,निताई सरकार,मिथुन मंडल,नेहाल अख्तर,विकास सिंह,प्रशान्त दास,धर्मेन्द्र साहा,धर्मेन्द्र महतो,छोटे लाल रमानी,अजीत कुमार रॉय,फिरोज अहमद सोहेब अख्तर,सहित दर्जनों शहरी तथा ग्रामीणगन मौजूद थे।

सेवा से सीखे कार्यक्रम को लेकर हुई बैठक

साहिबगंज :युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार माय भारत नेहरु युवा केंद्र मंगलवार को उप विकास आयुक्त कार्यालय कक्ष में नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी शुभम चंद्रन के अध्यक्षता में ईएलपी सेवा से सीखे कार्यक्रम की बैठक उप विकास आयुक्त कार्यालय कक्ष विकास भवन में किया गया।इस बैठक में जिला युवा अधिकारी शुभम चंद्रन के द्वारा ईएलपी सेवा से सीखे कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।इस बैठक में साहिबगंज सिविल सर्जन सदर,नगर प्रशासक साहिबगंज,जिला कृषि अधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, डीएसपी साइबर सिक्योरिटी पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, कार्यक्रम पदाधिकारी एनएसएस एवं नेहरू युवा केंद्र के कार्यक्रम लेखा सहायक एवं सभी पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

आगे खिसकेगी कार्ति की कैथी 2

आमिर खान बने फिल्म में देरी की वजह!

लोकेश कनगराज ने बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर के साथ खुद को तमिल सिनेमा के सबसे अधिक मांग वाले फिल्म निर्माताओं में से एक के रूप में स्थापित किया। उन्होंने अब तक छह फिल्मों का निर्देशन किया है। अब वह अपनी अगली फिल्मों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। लोकेश कैथी 2 के निर्माण में व्यस्त थे, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि इस फिल्म के निर्माण में देरी होगी, क्योंकि लोकेश कनगराज अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म कैथी 2 से पहले एक नए प्रोजेक्ट पर नजर गड़ाए हुए हैं।

नई फिल्म पर काम करेंगे लोकेश

अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए जाने जाने वाले लोकेश कनगराज के पास दो बहुप्रतीक्षित फिल्में हैं। पहली फिल्म है कुली, जिसमें रजनीकांत मुख्य भूमिका में हैं और दूसरी फिल्म है कैथी 2, जिसमें कार्ति मुख्य भूमिका में हैं। हालांकि, अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वह कैथी 2 में शामिल होने से पहले एक अन्य फिल्म पर काम कर सकते हैं, जो कि लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स (एलसीयू) का हिस्सा है।

आमिर खान के साथ बनाएंगे फिल्म

कनगराज की संभावित नई फिल्म के बारे में चर्चा का कुली से कनेक्शन है। दरअसल, आमिर खान ने कुली में कैमियो करेंगे। वहीं, अब दावा किया जा रहा है कि लोकेश कनगराज जल्द ही सुपरस्टार आमिर खान के साथ मुख्य भूमिका वाली फिल्म पर काम कर सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो कैथी 2 की रिलीज में देरी हो सकती है। इसका पहला भाग 2019 में रिलीज किया गया था।

कुली के कलाकार

कुली लोकेश कनगराज के लिए एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है, जिसे उन्होंने खुद लिखा भी है। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में रजनीकांत के साथ नागार्जुन, उपेंद्र, सौबिन शाहिर, सत्यराज, श्रुति हासन, रेबा मोनिका जॉन, जूनियर एमजीआर और मोनिशा ब्लेसी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म सिनेमाघरों के बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

गोविंदा-जावेद जाफरी की फिल्मों से कॉमिक टाइमिंग सीखी

टीवी इंडस्ट्री में कई अलग-अलग किरदार निभाने के बाद ऐश्वर्या सकुजा अब 'ज्यादा मत उड़' में नजर आएंगी। इस शो में वह एक सख्त लेकिन मजेदार एयर होस्टेस शिल्पा का रोल निभा रही हैं। ऐश्वर्या के लिए यह किरदार इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें उन्हें कॉमेडी करने का मौका मिला। खास बात यह है कि अपने रोल के लिए उन्होंने भोजपुरी सीखी और कॉमिक टाइमिंग सुधारने के लिए गोविंदा और जावेद जाफरी से इंस्पिरेशन ली। ऐश्वर्या ने अपने इस सफर और शो की तैयारियों को लेकर बातचीत की।

ऐसे की किरदार की तैयारी

शिल्पा का रोल निभाने के लिए ऐश्वर्या को काफी मेहनत करनी पड़ी। उन्होंने बताया, मेरे किरदार को भोजपुरी बोलनी पड़ती है, तो इसके लिए मैंने कई भोजपुरी फिल्में और वेब सीरीज देखीं। सिर्फ भाषा सीखना ही नहीं था, बल्कि उसे नेचुरल तरीके से बोलना भी आना चाहिए। मैं चाहती थी कि भोजपुरी में मेरी डायलॉग डिलीवरी बिल्कुल रियल लगे।' कॉमिक टाइमिंग पर काम करने के लिए ऐश्वर्या ने बॉलीवुड के बेहतरीन कॉमेडी एक्टर्स से इंस्पिरेशन ली। ऐश्वर्या ने कहा, शो के लिए मैं शिल्पा के किरदार को पूरी तरह से सही तरीके से निभाना चाहती थी। चूंकि वह कभी-कभी भोजपुरी बोलती है, इसलिए मैंने कई भोजपुरी वेब सीरीज और फिल्में देखीं, ताकि मेरा लहजा नैचुरल लगे। मैंने अपनी आवाज पर भी काम किया और कॉमेडी को सही तरीके से डिलीवर करने के लिए गोविंदा और जावेद जाफरी से इंस्पिरेशन ली। उनकी बॉडी लैंग्वेज, डायलॉग डिलीवरी और एक्सप्रेशन्स को ध्यान से देखा। साथ ही, मैंने एयर होस्टेस की बॉडी लैंग्वेज और काम करने के तरीके को समझने के लिए कई वीडियो देखे। वे कैसे चलती हैं, कैसे बात करती हैं, पैसेंजर्स से कैसे इंटरैक्ट करती हैं - हर चीज पर गौर किया। इसके अलावा, मैंने शिल्पा के एंबिशन और उसकी नो-नॉनसेंस एटीट्यूड के बीच बैलेंस बनाने पर भी ध्यान दिया, ताकि वह मजेदार होने के साथ-साथ दमदार भी लगे।

30,000 फीट की ऊंचाई पर मस्ती

अक्सर कॉमेडी शोज घर-परिवार या ऑफिस की सेटिंग में होते हैं, लेकिन 'ज्यादा मत उड़' एकदम अलग है। इसका बैकग्राउंड ही सबसे अलग है। फ्लाइट के अंदर क्रू की मस्ती, पैसेंजर्स की अजीबोगरीब हरकतें और गोल्डी की नौटंकी - सब कुछ शो को एक अलग लेवल की कॉमेडी देता है। ऐश्वर्या के लिए भी यह शो खास है क्योंकि इसमें उन्हें एक स्ट्रॉन्ग और इंडिपेंडेंट कैरेक्टर निभाने का मौका मिला, जो अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती है। शिल्पा बहुत क्लियर है कि उसे क्या चाहिए। वह अपनी टीम को अपने हिसाब से चलाती है। मुझे ऐसे रोल्स करने में मज़ा आता है जो सिर्फ़ ग्लैमरस न होकर दमदार भी हों।

प्रभास-अक्षय कुमार और मोहनलाल के कैमियो पर विष्णु मांचू ने दी प्रतिक्रिया

विष्णु मांचू अभिनीत फिल्म 'कन्नप्पा' एक भव्य पौराणिक एक्शन ड्रामा है जिसका दर्शकों को लंबे समय से इंतजार है। मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रभास, अक्षय कुमार और मोहनलाल जैसे बड़े सितारे अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म कन्नप्पा की मशहूर कहानी से प्रेरित है। हाल ही में एक इंटरव्यू में विष्णु मांचू ने फिल्म के सितारों की भूमिका पर खुलकर बात की।

सितारों के रोल पर विष्णु मांचू ने क्या कहा?

रिपोर्ट के मुताबिक विष्णु मांचू ने स्पष्ट किया कि बड़े नाम वाले सितारे केवल संक्षिप्त रूप से दिखाई नहीं देने वाले हैं। इसके बजाय उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं जो फिल्म पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक विष्णु मांचू का उद्धरण कुछ इस प्रकार था, अगर आपको लगता है कि ये सितारे बस थोड़ी देर के लिए दिखेंगे, तो आप गलत हैं। ये किरदार सिर्फ दो-तीन मिनट के कैमियो तक सीमित नहीं हैं। प्रभास फिल्म में रुद्र के किरदार में दिखेंगे, जबकि अक्षय कुमार भगवान शिव की भूमिका निभाएंगे। मोहनलाल का रोल भी बेहद अहम है। काजल अग्रवाल इसमें देवी पार्वती के रूप में नजर आएंगी।

छह भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म छह भाषाओं- तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, हिंदी और अंग्रेजी में रिलीज होगी। इसका संगीत स्टीफन देवासी ने तैयार किया है। वहीं, इसमें मणि शर्मा का भी अतिरिक्त योगदान है। फिल्म के सिनेमैटोग्राफी की कमान शेल्डन चौ के हाथों में है। एक्शन सीक्वेंस को केचा ने डिजाइन किया है, जबकि डांस प्रभु देवा, गणेश और बृंदा ने कोरियोग्राफ किए हैं।

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने किया कौन से डर का सामना?

तृप्ति डिमरी ने हाल ही में अपने एक डर के बारे में फैंस को सोशल मीडिया के जरिए बताया। वह इस डर का सामना करने की बात भी करती दिखीं। इस डर से और उसका सामने करने से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी तृप्ति डिमरी ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं।

तृप्ति डिमरी ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। एक तस्वीर में वह बोट पर बैठी नजर आ रही हैं, इसी फोटो पर तृप्ति ने लिखा है कि वो अपने डर का सामना करने जा रही हैं। अगली फोटो वह बीच समंदर की डालती हैं, जहां उनकी बोट तैर रही है। इन तस्वीरों को देखकर लग रहा है कि शायद तृप्ति को समंदर में जाने से डर लगता है। ऐसे में वह इस डर को दूर करना चाहती हैं।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड संग मनाती हैं छुट्टियां

तृप्ति डिमरी ने यह तस्वीरें खुद नहीं खींची हैं बल्कि कोई उनकी फोटो ले रहा है। अकसर जब अभिनेत्री छुट्टियों पर होती है तो उन्हें रूमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट के साथ देखा जाता है। ऐसा लगता है कि इस ट्रिप पर भी वह उनके साथ हैं और उनकी तस्वीरें ले रहे हैं।

इन फिल्मों में नजर आएंगी

तृप्ति डिमरी इस साल फिल्म 'धड़क 2' में नजर आएंगी। वह अब तक अलग-अलग तरह की कहानी वाली फिल्में कर चुकी हैं। साल 2024 में वह 'बैड न्यूज', 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' और 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं।

शनाया की तू या मैं पर आयुष्मान ने दी प्रतिक्रिया

फिल्म तू या मैं के निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का आधिकारिक टीजर जारी किया है। इस फिल्म में शनाया कपूर और आदर्श गौरव नजर आएं, जो फैंस को बेहद पसंद आया। वहीं अब टीजर को लेकर बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शनाया कपूर की फिल्म तू या मैं की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, मैं पहले से ही इसका फैन हो गया हूं। पूरी टीम को शुभकामनाएं।

तू या मैं के अलावा 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आएंगी शनाया कपूर

शनाया कपूर और आदर्श गौरव की नई सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म तू या मैं का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ था। इस फिल्म का निर्देशन बेजॉय नांबियार ने किया है। यह फिल्म वैलेंटाइन डे 2026 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के निर्माता आनंद एल राय हैं। इसके अलावा शनाया ने हाल ही में अपनी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग पूरी की है। इसमें वो '12वीं फेल' एक्टर विक्रांत मेसी के साथ नजर आएंगी। वहीं आदर्श गौरव हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' में नजर आए थे।

फिल्म थामा की बात करें तो इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना के अलावा परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी अहम किरदार निभा रहे हैं। थामा को मैडॉक फिल्म्स बना रही है और यह दिवाली 2025 में सिनेमाघरों में आएगी।

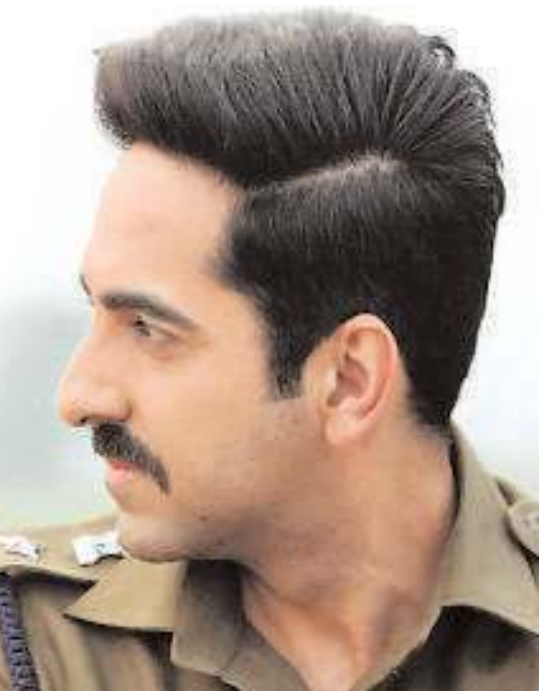

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए डिवाइन, केर, और ताहूहू की न्यूजीलैंड टीम में वापसी

एजेंसी

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 मार्च से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, अमेलिया केर और ली ताहूहू की न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम में वापसी हुई है।

इस बीच, श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में 1-1 की बराबरी के बाद, सूजी बेट्स अंतरिम कप्तान बनी रहेंगी। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज इसाबेला गेज अभी भी हिप फ्लेक्सर की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

ऑलराउंडर सोफी डिवाइन ने जनवरी में मानसिक और शारीरिक भलाई को प्राथमिकता देने के लिए अंतरराष्ट्रीय और

घरेलू क्रिकेट से ब्रेक लिया था। इस दौरान वह ड्रीम11 सुपर स्मैश, विमेंस प्रीमियर लीग और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में नहीं खेली थीं। अब वह राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रही हैं।

अमेलिया केर, जो हाल ही में विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की विजेता टीम का हिस्सा थीं, भी टीम में शामिल हुई हैं। उन्होंने पिछली बार टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया था। वहीं, तेज गेंदबाज ली ताहूहू दिसंबर में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद टीम में वापस लौटी हैं।

बेला जेम्स और पॉली इंग्लिस को टीम में शामिल किया गया है, जबकि एम्मा मैक्लॉड, इजी शार्प, फ्लोरा डेवोनशायर और ब्री इलिंग को टीम से बाहर कर दिया गया है।

न्यूजीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने अनुभवी तिकड़ी की वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, 'हम सोफी, मेलि और ली की वापसी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। ये तीनों खिलाड़ी अनुभव और नेतृत्व का शानदार संयोजन टीम में लाती हैं। सोफी ने खेल से कुछ समय के लिए ब्रेक लिया था, लेकिन अब वह पूरी तरह तैयार हैं। वह किसी भी टीम के लिए एक बड़ी संपत्ति हैं और हमें खुशी है कि वह इस प्रतिस्पर्धी सीरीज के लिए वापस आ रही हैं।'

यह महिला टी20 सीरीज न्यूजीलैंड पुरुष टीम की पाकिस्तान के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के साथ डबल-हेडर के रूप में खेली जाएगी। पुरुषों की सीरीज में मेजबान न्यूजीलैंड फिलहाल 2-0 से आगे है। तीन मुकाबले ऑकलैंड, टौरंगा और वेलिंगटन में खेले जाएंगे।

न्यूजीलैंड महिला टीमः सूजी बेट्स (कप्तान), ईडन कार्सन, सोफी डिवाइन, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, फ्रान जोनास, जेस केर, अमेलिया केर, रोजमेरी मेयर, जॉर्जिया प्लिमर, ली ताहूहू।

उरुग्वे के कोच बिएल्सा ने वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के लिए छह नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया

एजेंसी

मोंटेवीडियो। उरुग्वे के मैनेजर मासेलो बिएल्सा ने अर्जेंटीना और बोलिविया के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अपनी टीम में छह नए खिलाड़ियों को शामिल किया है। बिएल्सा द्वारा चुने गए नए खिलाड़ी लोकल क्लबों से हैं, जिनमें फॉरवर्ड पाब्लो सुआरेज, मिडफील्डर जर्मन बारबास, मिडफील्डर एरिको कुएलो, डिफेंडर पैट्रिसियो पैसिफिको, सेंटर-बैक पाओलो कैलियोन और विंगर लुकास अगाजी का नाम शामिल है। उम्मीद के मुताबिक, लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फेडेरिको वाल्वेर्दे, टॉटनहैम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटानकुर और बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को भी टीम में जगह दी गई है। उरुग्वे की टीम शुक्रवार को मोंटेवीडियो में अर्जेंटीना से भिड़ेगी, जबकि अगले मंगलवार को एल आल्टो में बोलिविया के खिलाफ खेलेगी। दस टीमों की दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप तालिका में उरुग्वे 12 मैचों में 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि अर्जेंटीना 25 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई है।

पृथ्वी पर लौंटी सुनीता विलियम्स, नासा ने किया स्वागत, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-आइए भारत

एजेंसी

फ्लोरिडा। नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) से संबद्ध भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर धरती पर वापस लौट आए । फ्लोरिडा के तट पर उनकी सफल लैंडिंग हुई है। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर स्पेसएक्स क्रू-9 वापस धरती पर आ गया। नासा के ये दोनों अंतरिक्ष यात्री मात्र आठ दिन के मिशन पर गए थे। तकनीकी खराबी के कारण दोनों नौ माह और 13 दिन तक अंतरिक्ष में फंसे रहे। नासा ने अपनी वेबसाइट पर लिखा है- "घर में आपका स्वागत है! नासा का स्पेसएक्स क्रू-9 विज्ञान मिशन के बाद धरती पर वापस आ गया है।'

जेनेट पेट्रो ने कहा-यह ट्रंप की वजह से संभव हुआ

नासा की कार्यवाहक प्रशासक जेनेट पेट्रो ने कहा, 'हम सुनीता, बुच, निक और एलेक्जेंडर की सुरक्षित घरवापसी पर रोमांचित हैं।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर नासा और स्पेसएक्स की एक महीने की मेहनत रंग लाई। अंतरराष्ट्रीय चालक दल और धरती पर मौजूद हमारी टीमों ने सभी को घर वापस लाने में कड़ी मेहनत की। नासा के ऐसे मिशन मानवता के लाभ के लिए हैं। हेग और गोरबुनोव ने 28 सितंबर, 2024 को दोपहर 1:17 बजे फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 40 से स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट पर उड़ान भरी थी। अगले दिन वे स्टेशन के हार्मनी मॉड्यूल के आगे की ओर वाले पोर्ट पर डॉक किए गए। सुनीता विलियम्स और विल्मोर को बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान और यूनाइटेड लॉन्च अलायंस एटलस वी रॉकेट पर पांच जून, 2024 को स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 41 से एजेंसी के बोइंग क्रू फ्लाइट टेस्ट के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया था। दोनों 6 जून को अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे।

अब सभी मिलेंगे अपने परिवारों से

नासा की वेबसाइट के अनुसार, निक हेग, सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव पूर्वी समय पर शाम 5:57 बजे पृथ्वी पर लौट आए। स्पेसएक्स रिकवरी जहाजों पर सवार टीमों ने अंतरिक्ष यान और उसके चालक दल को वापस निकाला। तट पर लौटने के बाद चालक दल ह्यूस्टन में नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर के लिए उड़ान भरेगा। वहां सभी अपने परिवारों से मिलेंगे। नासा के स्पेसएक्स क्रू-9 ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एजेंसी के नौवें वाणिज्यिक क्रू रोटेशन मिशन को पूरा किया। यह अमेरिका की खाड़ी में फ्लोरिडा के तल्हासी तट से स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सुरक्षित रूप से उतरा।

मिशन के दौरान 121,347,491 मील की यात्रा की

बताया गया है कि सुनीता विलियम्स और विल्मोर ने अपने मिशन के दौरान 121,347,491 मील की यात्रा की। अंतरिक्ष में 286 दिन बिताए और पृथ्वी के चारों ओर 4,576 परिक्रमा पूरी की। हेग और गोरबुनोव ने अपने मिशन के दौरान 72,553,920 मील की यात्रा की, अंतरिक्ष में 171 दिन बिताए और पृथ्वी के चारों ओर 2,736 परिक्रमा पूरी कीं। हेग ने अपने दो मिशनों में अंतरिक्ष में 374 दिन और विलियम्स ने अपनी तीन उड़ानों में अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए हैं। विल्मोर ने अपनी तीन उड़ानों में अंतरिक्ष में 464 दिन बिताए हैं।

अंतरिक्ष परी ने दो स्पेसवॉक किए

सुनीता विलियम्स ने दो स्पेसवॉक किए। एक में उनके साथ विल्मोर और दूसरे में हेग शामिल थे। अंतरिक्ष में 900 घंटे से अधिक समय तक शोध के साथ 150 से अधिक अद्वितीय वैज्ञानिक प्रयोग किए गए। इस शोध में पौधों की वृद्धि और गुणवत्ता पर जांच शामिल थी, साथ ही रक्त रोगों, ऑटोइम्यून विकारों और कैंसर को संबोधित करने के लिए स्टेम सेल तकनीक की क्षमता भी शामिल थी। उन्होंने अंतरिक्ष यात्रियों को सर्कैडियन लय बनाए रखने में मदद करने के लिए प्रकाश व्यवस्था का भी परीक्षण किया। यह अध्ययन करने के लिए अंतरिक्ष स्टेशन के बाहरी हिस्से से नमूने लिए कि क्या सूक्ष्मजीव अंतरिक्ष में जीवित रह सकते हैं।

सुनीता के पैतृक गांव में जश्न

भारतीय समयानुसार सुबह 3.27 बजे ऑर्बिट बर्न का प्रोसेस पूरा होने के बाद फ्लोरिडा के तट पर अंतरिक्ष परी के उतरते ही सुनीता विलियम्स के गुजरात के पैतृक गांव में जश्न शुरू हो गया। इतिहास रचकर धरती पर सकुशल वापस लौटीं सुनीता विलियम्स का स्वागत समुद्र में तैरते डॉल्फिन के झुंड ने किया। जब उनका कैप्सूल पानी में उतरा तो उनके आसपास बड़ी संख्या में डॉल्फिन थीं। इसके बाद उनको रिकवरी पोत से कैप्सूल से निकाला गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत आने का निमंत्रण दिया

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुनीता विलियम्स को पत्र लिखकर भारत आने का निमंत्रण दिया है। पहली मार्च को लिखे और नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो के माध्यम से भेजे गए इस पत्र को केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर साझा किया। है। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में कहा कि भले ही आप हजारों मील दूर हों, लेकिन आप हमारे दिलों के करीब हैं। भारत के लोग आपके अच्छे स्वास्थ्य और आपके मिशन में सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। आपकी वापसी के बाद हम भारत में आपसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। भारत के लिए अपनी सबसे शानदार बेटियों में से एक की मेजबानी करना खुशी की बात होगी।

पुणे में बस में लगी आग, चार लोगों की मौत, आठ झुलसे

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिले के हिंजवड़ी फेज वन में आज सुबह एक ट्रैवेल मिनी बस में अचानक आग लग गई। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई और आठ लोग झुलस गए। झुलसे लोगों को रूबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, सुबह इस बस से व्योमा ग्राफिक्स कंपनी के 12 कर्मचारी काम पर जा रहे थे। बस हिंजेवाड़ी फेज वन इलाके से गुजर रही थी, तभी अचानक इंजन में आग लग गई। इसकी भनक लगते ही बस का ड्राइवर और स्टाफ तुरंत आगे के दरवाजे से नीचे उतर गया। पीछे का दरवाजा नहीं खुलने के कारण चार कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे और किसी तरह बाकी यात्रियों को बस से बाहर निकाला। फायर ब्रिगेड के जवान भी मौके पर पहुंचे और बस में लगी आग को बुझाया। हिंजवड़ी पुलिस स्टेशन की टीम इस मामले की छानबीन कर रही है।

ट्रंप प्रशासन ने पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी हत्याकांड के दस्तावेज सार्वजनिक किए

एजेंसी

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की हत्या से जुड़े दस्तावेजों का पुलिंदा सार्वजनिक कर दिया। हालांकि कैनेडी हत्याकांड से जुड़ी कई फाइलें पहले भी सार्वजनिक की जा चुकी हैं। बाइडेन प्रशासन के दौरान 13,000 दस्तावेजों का पुलिंदा देश के सामने सार्वजनिक किया गया था। मंगलवार को सार्वजनिक दस्तावेजों में कुछ हिस्से संपादित बताए गए हैं। सीएनएन की खबर के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि कैनेडी की हत्या से संबंधित 80,000 पन्नों का रिकॉर्ड देखने के लिए लोग दशकों से इंतजार कर रहे हैं। खास बात यह है कि ट्रंप ने इस साल जनवरी में दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद कैनेडी, रॉबर्ट एफ. कैनेडी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्याओं से संबंधित हजारों फाइलों को सार्वजनिक करने संबंधी एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे।राष्ट्रीय अभिलेखागार की वेबसाइट पर यह दस्तावेज मंगलवार शाम अपलोड किए गए। इस संबंध में टॉम समोलुक का कहना है कि सार्वजनिक किए गए दस्तावेज में कुछ भी नया नहीं है। कैनेडी की हत्या के लिए एक अकेला बंदूकधारी ली हार्वे ओसवाल्ड जिम्मेदार था। टॉम समोलुक हत्या रिकॉर्ड समीक्षा बोर्ड के उप निदेशक रहे हैं। 1990 के दशक में हत्या से संबंधित रिकॉर्ड का अध्ययन करने के लिए सरकार ने इस बोर्ड का गठन किया था। टॉम और दर्जनों लोगों की टीम ने 1994 और 1998 के बीच दस्तावेजों की नए सिरे से जांच की थी ।

उन्होंने कहा कि बोर्ड ने जिन अभिलेखों के संग्रह की समीक्षा की, उनमें से अधिकांश को सार्वजनिक कर दिया गया है। अगर दस्तावेजों में कुछ भी नया तथ्य होता तो बोर्ड तभी जारी कर देता। मंगलवार को सार्वजनिक किए गए दस्तावेज में कुछ भी नहीं है। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में लगभग 80,000 पृष्ठ पहले से वर्गीकृत अभिलेख हैं। उनको बिना किसी संशोधन के प्रकाशित किया जाएगा।

वर्जीनिया विश्वविद्यालय के राजनीतिक अध्येता लैरी सबाटो ने कहा कि जो लोग इन दस्तावेजों से 61 साल बाद हत्याकांड के रहस्य से परदा उठने की उम्मीद कर रहे हैं, वे बुरी तरह निराश होने वाले हैं। कैनेडी की हत्या ने लंबे समय से षड्यंत्र के सिद्धांतों को हवा दी है। ऐसा करने में ट्रंप भी पीछे नहीं रहे। लैरी सुबाटो का टिप्पणी इस मायने में अहम है कि वह इस हत्याकांड पर किताब लिख चुके हैं। इस किताब का नाम है-द कैनेडी हाफ-सेंचुरीः द प्रेसीडेंसी, असैसिनेशन, एंड लास्टिंग लिगेसी ऑफ जॉन एफ. कैनेडी। जॉन एफ कैनेडी की 22 नवंबर, 1963 को गोली मार कर हत्या की गई थी।

पथराव के बाद तनाव दोनों पक्षों में जमकर हुई पत्थरबाजी

पाली। शहर के खोड़िया बालाजी क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक धार्मिक स्थल पर आयोजित कार्यक्रम के बाद बाहर निकल रहे लोगों पर कुछ युवकों की ओर से पत्थर फेंकने की घटना से माहौल एकबारगी तनाव भरा हो गया। आक्रोशित लोगों ने बाइक सवार युवकों को रोककर उनकी बाइक पर पत्थर मारे, इससे देर तक तनाव बढ़ गया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस बीच मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के साथ आरएसी जवान मौके पर पहुंचे तथा लोगों को समझाइश कर उन्हें रवाना किया। इस मामले में एक जने को पुलिस ने हिरासत में लिया है। एहतियात के तौर पर मौके पर देर रात तक हथियारबंद पुलिसकर्मी तैनात किए गए। पुलिस व प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार देर शाम दो पक्षों के कुछ युवकों में तनातनी हो गई। एक पक्ष ने आरोप लगाया कि कुछ युवकों ने पत्थर फेंके हैं। पत्थर फेंकने से माहौल तनाव भरा हो गया। गुस्साए युवकों ने वहां से गुजर रहे दो युवकों को रोक लिया और बाइक में तोड़फोड़ कर डाली। सूचना के बाद एएसपी विपिन शर्मा, सीओ सिटी उषा यादव, कोतवाली थाना प्रभारी अनिल कुमार बिश्नोई सहित पुलिसकर्मी और आरएसी के जवान मौके पर पहुंचे।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, गिरावट के बाद संभले सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान लगातार उतार चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। आज के कारोबार की शुरूआत मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, बीपीसीएल, जेएसडब्ल्यू स्टील और अपोलो हॉस्पिटल के शेयर 1.79 प्रतिशत से लेकर 1.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, टेक महिंद्रा और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 1.76 प्रतिशत से लेकर 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,403 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,064 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 339 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 9 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 171.91 अंक की तेजी के साथ 75,473.17 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक करीब 100 अंक की कमजोरी के साथ 75,201.48 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक ने हरे निशान में वापसी करने में भी सफलता हासिल की। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 62.83 अंक की तेजी के साथ 75,364.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 40.65 अंक की तेजी के साथ 22,874.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक गिर कर लाल निशान में 22,807.95 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक ने हरे निशान में वापसी करने में भी सफलता हासिल कर ली। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 29.15 अंक की मजबूती के साथ 22,863.45 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 1,131.31 अंक यानी 1.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 75,301.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 325.55 अंक यानी 1.45 प्रतिशत की उछाल के साथ 22,834.30 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

दो दिवसीय भ्रमण पर गुरुवार को देवीपाटन मंदिर पहुंचेंगे मुखयमंत्री योगी

बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर देवीपाटन मंदिर पहुंचेंगे। 30 मार्च से शुरू हो रहे देवीपाटन मेला की तैयारियों का अधिकारियों के साथ मंदिर परिसर में समीक्षा बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर व्यापक तैयारी की गई हैं। मुख्यमंत्री का हैलीकॉप्टर गुरुवार को अपराह्न 3:40 बजे मां पाटेश्वरी कॉलेज स्थित हेलीपैड पर पहुंचेगा। वहां से सड़क मार्ग से मुख्यमंत्री देवीपाटन मंदिर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री शाम 6 बजे अधिकारियों के साथ 30 मार्च से शुरू होने वाले एक महीने के मेले की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। वह मंदिर में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन शुक्रवार को वह अयोध्या के लिए रवाना होंगे। प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री मां पाटेश्वरी जी का दर्शन-पूजन भी करेंगे। मंदिर प्रशासन और स्थानीय प्रशासन ने मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं। साफ-सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। एसडीएम तुलसीपुर अभय सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

नागपुर में हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ हो कार्रवाई : डॉ राजकमल गुप्ता

मुरादाबाद। महाराष्ट्र के नागपुर में शांति और सौहार्द को बिगाड़ने,अफवाह फैलाने व हिंसा करने वाले आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।यह बात विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य डॉ राजकमल गुप्ता ने बुधवार को तीव्र भर्त्सना करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विवादित क्रब के स्थान पर धनाजी जाधव, संताजी घोरपड़े व छत्रपति राजाराम महाराज का स्मारक बनाया जाए। विहिप के केन्द्रीय प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य डॉ गुप्ता ने कहा कि नागपुर में सोमवार रात्रि को जो आगजनी, हमला और उपद्रव की घटना, जो एक समाज के वर्ग के द्वारा की गई है वह पूर्णतः निंदनीय है। उन्होंने कहा कि हमारे युवा विभाग बजरंगदल के कार्यकताओं के घरों पर हमले किए गए। उन्होंने हिंदू समाज के अनेक घरों को निशाना बनाया और महिलाओं को भी नहीं छोड़ा। विश्व हिंदू परिषद इस सब की घोर शब्दों में निंदा करता है।

हिन्दू कालेज के इग्नू अध्ययन केंद्र पर नए कोर्स एमए हिन्दू स्टडीज को मिली मंजूरी

मुरादाबाद। इग्नू नई दिल्ली ने हिंदू कॉलेज मुरादाबाद स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र पर एक नए कोर्स एमए हिन्दू स्टडीज को मंजूरी दे दी है। यह जानकारी कॉलेज अंतर्गत इग्नू अध्ययन केंद्र 2714 के समन्वयक प्रो. एके सिंह ने बुधवार को दी। इग्नू रीजनल सेंटर नोएडा के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अमित चतुर्वेदी ने बताया कि इस कोर्स में प्रवेश प्रारम्भ हो गए हैं। हिंदू स्टडीज में एमए करने वाले विद्यार्थियों को हिंदू धर्म की अवधारणा, हिंदू अध्ययन के तात्विक पक्ष, हिंदू धर्म के भारतेत्तर विमर्श, हिंदू अध्ययन पर पाश्चात्य दृष्टि एवं विधि एवं प्रवासी हिंदू की भारतीय पहचान जैसे महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन कराया जाएगा। अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो. एके सिंह ने बताया कि इग्नू ने स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा के कार्यक्रमों (प्रमाणपत्र और सेमेस्टर आधारित कार्यक्रमों को छोड़कर) में नए प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा कर 31 मार्च 2025 कर दी है। ओडीएल मोड कार्यक्रमों के लिए प्रवेश पोर्टल ignouadmission.samarth.edu.in व ऑनलाइन मोड कार्यक्रमों के लिए प्रवेश पोर्टल ignouiop.samarth.edu.in है। उन्होंने बताया कि दूसरी तरफ इग्नू ने ओडीएल और ऑनलाइन मोड में किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों (सेमेस्टर आधारित कार्यक्रमों को छोड़कर) के लिए 200 रुपये के विलम्ब शुल्क के साथ जनवरी 2025 के लिए अगली कक्षा/सेमेस्टर में पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि को 31 मार्च 2025 तक बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। अभ्यर्थी अधिक जानकारी के लिए हिंदू कॉलेज मुरादाबाद परिसर में स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र पर सम्पर्क कर सकते हैं।

बांदीपोरा राजमार्ग पर आईईडी बरामद

बांदीपोरा। बांदीपोरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सनसेट पॉइंट से आगे मुख्य सड़क पर बुधवार को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया गया। आईईडी मिलने के तुरंत बाद बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुला लिया गया है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजमार्ग पर नियमित गश्त के दौरान सुरक्षाबलों ने आईईडी बरामद किया। उन्होंने बताया कि विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर भेजा गया है।

सराफा बाजार में ऑल टाइम हाई पर सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज की तेजी के कारण सोना 90 हजार रुपये के स्तर को पार करके अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इस तेजी के कारण सोना आज 810 रुपये से लेकर 890 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 90,440 रुपये से लेकर 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 82,900 रुपये से लेकर 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में तेजी आने के कारण दिल्ली सराफा बाजार में चांदी भी आज 1,05,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 90,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 90,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 90,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 83,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 90,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 82,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एनआईए का जम्मू-कश्मीर में 12 से अधिक स्थानों पर छापा

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आज सुबह जम्मू-कश्मीर में 12 से अधिक स्थानों पर छापा मारा है। यह कार्रवाई पाकिस्तान से भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ, सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हाल ही में हुए हमलों की चल रही जांच से जुड़ी है। जम्मू के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादी संगठनों के समर्थकों और कार्यकताओं के ठिकानों पर भी दबिश दी गई है। सूत्रों के अनुसार, इनमें से कई लोगों पर प्रतिबंधित आतंकवादी समूहों की नई शाखाओं और सहयोगियों से जुड़े होने का संदेह है। एनआईए इस बात की जांच कर रही है कि यह आतंकवादी किस तरह से घुसपैठ को बढ़ावा दे रहे थे और भारतीय क्षेत्र के अंदर आतंकवादी गतिविधियों में मदद कर रहे थे। एनआईए ने 24 अक्टूबर, 2024 को मामला दर्ज किया था। यह मामला लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े सक्रिय आतंकवादियों की अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के जरिए घुसपैठ के बारे में खुफिया जानकारी पर आधारित था। जांच में पता चला है कि जम्मू क्षेत्र के गांवों में रहने वाले ओजीडब्ल्यू और अन्य आतंकी सहयोगी इन घुसपैठियों को रसद, आश्रय और वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

हमें गर्व है ऐसी बेटी पर

बिनय मिश्रा : कहते हैं व्यक्ति मनुष्य का प्रथम पाठशाला घर होता है, घर के संस्कार और पठन पाठन तथा बच्चों को बेहतर संस्कार इसी स्थल से प्राप्त होते हैं, जी हां हम बात कर रहे हैं चक्रधरपुर पॉटर खोली स्थित निवास करने वाले रवि राव एवं उनकी श्रीमती एस पुष्प लता की सुपुत्री एस कृतिका ने क्राइस्ट यूनिवर्सिटी से शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात 8 मार्च अर्थात महिला दिवस के अवसर पर, उनकी बात सोच और विवरण तथा विषय वस्तु को जिसने भी सुना उसे काफी सराहा, यही नहीं जिस तरीके से र कृतिका ने अपनी वाणी और सोच को बेहतर प्रस्तुति प्रदान की उससे यह स्पष्ट है कि, महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच और उनमें ऊर्जा तथा उत्साह सरलता के साथ भरा जा सकता है, और महिला आज के युग में अपनी सार्थकता जिस प्रकार से सिद्ध की है वह अपने आप में एक उपलब्धि और गौरव की बात है, हमें ऐसी बेटी पर बिल्कुल गर्व है, तथा उसके बेहतर और सकारात्मक सोच निश्चित तौर पर लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत भी है, ऐसी बेटी पर मां पिता शहर और राज्य को भी गर्व है।

टाटानगर स्टेशन के सेकंड गेट पर हाईकोर्ट की रोक, दुकानों को हटाने का आदेश टला

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने टाटानगर रेलवे स्टेशन के सेकंड इंट्री गेट के पास स्थित दुकानों को हटाने के आदेश पर तत्काल रोक लगा दी है। रेलवे प्रशासन ने तीन महीने पहले दुकानदारों को नोटिस देकर जमीन खाली करने का निर्देश दिया था, जिसे दुकानदारों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। दुकानदारों का दावा है कि यह जमीन टाटा स्टील की है, जबकि रेलवे इसे 327 करोड़ रुपये की पुनर्विकास योजना के तहत अधिग्रहण करना चाहती है। इस योजना में स्टेशन के विस्तार के साथ तीन मंजिला भवन बनाने का प्रस्ताव है। हाईकोर्ट के स्टे आदेश से दुकानदारों को अस्थायी राहत मिली है, लेकिन मामला कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ेगा।

अवैध खनन पूर्ण रूप से बंद हो अथवा बालू फ्री हो : देवेन्द्र नाथ महतो

रांची : अवैध खनन बंद करो अभियान तेज होता जा रहा है।आज दिनांक 18/03/2025 को झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा सिल्ली द्वारा अवैध बालू खनन और ढुलाई तथा केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो समेत पत्रकार पलटू महतो, खुदीराम महतो, परमेश्वर महतो, संजय महतो के नाम सिल्ली थाना कांड संख्या 29/25 के तहत फर्जी मुकदमा दायर कर आम जनता के आवाज को दबाने के खिलाफ टूटकी चौक सिल्ली से बुंडू मोड़ सिल्ली तक मशाल जुलुश निकालते हुए स्थानीय विधायक और स्थानीय प्रशासन का पुतला दहन किया गया, पुलिस प्रशासन हाय हाय, अवैध खनन बंद करो, झूठा ऋक्षकारना बंद करो जैसे नारे गूंज रहा था। मौके पर सैकड़ों के संख्या में लोग मौजूद थे।

मौके पर देवेन्द्र नाथ महतो ने बताया कि सिल्ली क्षेत्र में अवैध बालू खनन और ढुलाई जोरों पर चल रहा है। शाम होते ही सिल्ली से बालू का हाईवा जमशेदपुर और रांची तक दरबार सजता है। बालू चलान के आड़ में बालू माफियाओं द्वारा बड़ी रकम का वसूली किया जाता। सभी राजनीतिक दल के पास कमीशन जाता है जिसके वजह से बालू जरूरतमंद आम आदमी के लिए आर्थिक बोझ बन गया है। अवैध बालू खनन का आवाज उठाने पर खछङट केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो समेत 5 सक्रिय अधिकारी पत्रकार पलटू महतो पर सिल्ली थाना कांड संख्या 29/25 के तहत गंभीर झूठा आरोप लगाया गया जो अवैध बालू खनन से जुड़ी मामला है अतः सीबीआई से जांच कराया जाय ।

मौके पर देवेन्द्र नाथ महतो ने बताया कि सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में रोजाना लगभग 70-80 अवैध बालू हाईवा बहुत बड़ा व्यापार चल रहा है. लेकिन आम जन में ये चर्चा है कि 20500/- प्रति गाड़ी अवैध वसूली होती है. अगर चर्चा में सत्यता हो तो 70-80 गाड़ी रोजाना, यानी लगभग 20 लाख प्रतिदिन, महीने का 6 करोड़ और साल का 72 करोड़ अवैध रूप से वसूली किया जाता है जिससे राज्य राजस्व भी नुकसान हो रहा है तथा बालू जरूरतमंद आम जनता को भी आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है इससे तो बेहतर है बालू को फ्री कर देना चाहिए।

साथ ही मौके पर उन्होंने यह मांग किया कि सिल्ली थाना में दर्ज कांड संख्या 29/25 तथा अवैध बालू खनन और ढुलाई मामले पर सीबीआई जांच किया जाय। दोनों मामले अवैध बालू खनन से जुड़ा हुआ है जो संवैधानिक आवाज को कमजोर करने का साजिश है। जेएसएमडीसी का चलान अनुसार सीएफटी नापी करके बालू का धुलाई किया जाय, स्पेशल चेक नाका लगाकर जांच किया जाय , हर बालू ढुलाई गाड़ी में कवर लगाया जाय तथा बालू लेने वाले सभी उपभोक्ता को रसीद दिया जाय। तथा बालू माफिया और पुलिस प्रशासन व्हाट्सएप चैट का सीबीआई जांच किया जाय।

मौके पर देवेन्द्र नाथ महतो ने यह भी चेतावनी दिया कि अगर हमारी मांग नहीं मानी जाती है तो जे एल के एम सिल्ली टीम ब्रेकेडिंग लगाकर अवैध गाड़ी को रोककर कानूनी करवाई कराएगी।

दावत ए इफ्तार से आपसी भाईचारा भी बढ़ता है: तहजीबुल हसन

रांची: मस्जिद जाफरिया रांची में पूरे एक महीना इफ्तार पार्टी का आयोजन किया जाता है। हर दिन किसी ना किसी की तरफ से इफ्तार का आयोजन किया जाता है। मंगलवार को रमजान-उल-मुबारक के 17 वां रोजा के मौके पर समाजसेवी सैयद समर अली जाफरी के द्वारा इफ्तार का आयोजन किया गया। जिसमे रांची शहर के मशहूर आलिम मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने सभी रोजेदारों के साथ अल्लाह तबारक व ताला के बारगाह में हाथ उठाकर देश व दुनिया की अमनचैन, राज्य की खुशहाली के लिए दुआएं मांगी।

डीसी ने सुनी जनता की समस्याएं, समाधान के निर्देश

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिले में नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निवारण हेतु आयोजित साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस में उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में विभिन्न मुद्दों पर सुनवाई की गई। जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए नागरिकों ने उपायुक्त से मुलाकात कर अपनी समस्याओं को रखा, जिन पर आवश्यक निर्देश दिए गए।
जारी प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी प्रभार पर हैं, जिसकी वजह से उक्त प्रखंड में ग्रामीणों का काम नहीं हो पाता। इस हेतु जन प्रतिनिधियों द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी की नियुक्ति हेतु आवेदन दिया गया। इस विषय पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए।
घाघरा प्रखंड अंतर्गत बिमरला पंचायत के खुखराडीह गांव में राशन डीलर द्वारा मनमाने तरीके से राशन वितरण करने के संबंध शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि राशन डीलर कम राशन देता है। इस संबंध में पूर्व में जिला आपूर्ति पदाधिकारी को शिकायत की गई है। किंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस विषय पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को कार्रवाई हेतु निर्देश दिया।
सिसई प्रखंड अंतर्गत भदौली पंचायत के सकरौली गांव में आंगनबाड़ी सहायिका का चयन किया गया था,किंतु दो माह

उपरांत भी आंगनबाड़ी सहायिका के चयन के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई है। उपायुक्त गुमला ने इनके आवेदन पर संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देश दिए।
डुमरी प्रखंड अंतर्गत कांसीर पंचायत के जमगाई गांव में सड़क नहीं है। जिसके कारण ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों द्वारा सड़क निर्माण हेतु आवेदन दिया गया है। उपायुक्त गुमला ने इनके आवेदन पर संबंधित अधिकारी को जांच कर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए।
इस दौरान कई नागरिकों ने जमीन संबंधी,वेतन भुगतान संबंधी,नाली निर्माण,आंगनवाड़ी सहायिका नियुक्ति ,भूमि बंदोबस्ती,जमीन मापी संबंध एवं वन पट्टा से संबंधित अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आवेदन दिए। उपायुक्त गुमला ने लगभग पचास से अधिक आवेदकों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नवनियुक्त अध्यक्ष डीआईजी अजय लिंडा से मिले

बिनय मिश्रा

झारखंड के लोकप्रिय,कर्मठ एवं उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले लोकप्रिय भारतीय पुलिस सेवा 2008 बैच के आईपीएस अधिकारी एवं डीआईजी अजय लिंडा से झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नवनियुक्त अध्यक्ष राहुल मुर्मू ने अपने प्रांतीय टीम के साथ शिष्टाचार मुलाकात की और झारखंड पुलिस एसोसिएशन के तत्वाधान में पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मियों के हित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी दी। डीआईजी श्री लिंडा ने झारखंड पुलिस एसोसिएशन के तत्वाधान में किए जा रहे बेहतर कार्यों को सराहा और प्रांतीय टीम को अपनी शुभकामना भी दी। गौरतलब हो कि श्री लिंडा जब कोल्हान के डीआईजी थे तब नवनियुक्त प्रांतीय अध्यक्ष राहुल मुर्मू को उनके बेहतर कार्यों के फलस्वरुप उन्हें सम्मानित करने के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत भी किया था।

मंत्री ने की राजस्व संग्रहण संबंधी समीक्षा बैठक

रांची : वाणिज्य-कर विभाग के वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध कर संग्रहण की प्रगति एवं आगे की कार्य योजना की समीक्षा माननीय मंत्री, वित्त एवं वाणिज्य-कर विभाग की अध्यक्षता में की गई। समीक्षा बैठक में वाणिज्य-कर सचिव, श्री अमिताभ कौशल, वाणिज्य-कर आयुक्त, श्री अमीत कुमार सहित वाणिज्य-कर विभाग के राज्य भर के समस्त वरीय पदाधिकारी सम्मिलित हुए। माननीय मंत्री द्वारा प्रमण्डलवार समीक्षा करते हुए पाँचो प्रमण्डल (रांची प्रमण्डल, रांची, जमशेदपुर प्रमण्डल, जमशेदपुर, हजारीबाग प्रमण्डल, हजारीबाग, धनबाद प्रमण्डल, धनबाद, संथाल परगना प्रमण्डल, दुमका) अन्तर्गत लक्ष्य से पीछे चल रहे अंचलों को लक्ष्य प्राप्ति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया एवं उन्हें लक्ष्य प्राप्ति हेतु अपना शत-प्रतिशत लगाने के लिए कहा गया। आज की इस समीक्षा बैठक में ये पता चला कि *वर्ष-2024-2025 के लक्ष्य के विरूद्ध प्राप्ति का प्रतिशत 79.99 है। विदित हो कि वर्ष 2024-2025 झारखण्ड राज्य के लिए चुनावी वर्ष रहा है।* जिसमें झारखण्ड ने दो चुनाव देखे हैं। चुनाव में आदर्श आचार संहिता लगने के कारण आर्थिक गतिविधियां, सरकारी योजनाओं एवं अन्य विकास कार्य के क्रियान्वयन की गति धीमी पड़ जाती है। *वर्ष 2019-2020 भी चुनावी वर्ष था जिसमें वाणिज्य-कर विभाग का पूरे वित्तीय वर्ष में राजस्व संग्रहण 76.26% था। वर्ष 2024-2025, वित्तीय वर्ष 2019-2020 की ही भाँति चुनावी वर्ष होने के वावजूद भी वित्तीय वर्ष के अन्तिम माह से पूर्व ही 79.99% राजस्व संग्रहित कर चुका है।* माननीय मंत्री द्वारा अधिकारियों को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग (श्उ) के माध्यम से यह निर्देश दिया है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष को गुजरने में 12 दिन शेष हैं। इन 12 दिनों में भरपूर प्रयास कर राजस्व संग्रहण के लक्ष्य को 85% से 90% किया जाये।

बहन -बेटी न्याय मोर्चा ने राहे में किया जनजागरुकता सभा

राहे : बहन -बेटी न्याय मोर्चा ओर पेंशनर समाज राहे के संयुक्त तत्वाधान में राहे प्रखंड परिसर में जनजागरुकता सभा का आयोजन किया गया।सभा को संबोधित करते हुए बहन - बेटी न्याय मोर्चा अध्यक्ष सह जिप सदस्य बादल महतो ने कहा कि समाज में ट्रैफिकिंग की समस्या जटिल हो गया है। अपने ही लोग लालच में आकर बहन - बेटी का सौदा कर रहे है। हमें ट्रैफिकिंग के खिलाफ एक जुट कर शिक्षा को महत्व देना होगा। प्रमुख लीलमनी देवी ने कहा कि बेटा बेटी में समानता लाकर हम कुरीतियों को दूर कर सकते है। बीडीओ अशोक कुमार ने कहा कि समाज में उसे लोगों को चिन्हित करें जो मानव तस्करी को बढ़ावा देते है। प्रशासन कुरीतियों को खत्म करने के लिए ग्रामीणों के साथ है।सभा में उप प्रमुख उमेश महतो,मोर्चा के सचिव सनातन मुंडा, पेंशनर संघ के अध्यक्ष परमेश्वर लाल, सामजिक कार्यकर्ता रणधीर चौधरी सहित कई लोगों ने अपने बातों को रखा।

लाभुकों को वितरित किया गया कमजोर व बीमार सुकर

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : झारखंड सरकार द्वारा चलायी जा रही मुख्यमंत्री पशुधन योजना में घाघरा में बड़े पैमाने पर अनियमितता का मामला प्रकाश में आया है । अच्छे नस्ल के पशु नहीं देकर लाभुकों के बीच कमजोर पशुओं का वितरण किया जा रहा है ।अनुदान पर मिलता है किसानों को पशु । बता दें कि किसानों की आर्थिक स्थित सुधारने के लिए झारखंड सरकार मुख्यमंत्री पशुधन योजना चला रही है। योजना के तहत पशुपालकों और लाभुकों को सरकारी अनुदान पर पशु देकर उन्हें रोजगार दिया जा रहा है । लेकिन घाघरा प्रखण्ड में यह योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने लगी है।

मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत घाघरा प्रखंड में लाभुकों को अच्छी नस्ल की सुकर न देकर कमजोर नस्ल की सुकर का वितरण किया जा रहा है और तो और कागज में भी हेराफेरी कर सरकारी राशि की बंदरबांट की जा रही है । कुछ लाभुकों ने शिकायत की है कि उन्हें जिस सुकर के साथ प्रखंड कार्यालय के प्रांगण में तस्वीर ली गई थी वह सुकर नहीं दी गई , घाघरा निवासी लाभुक निर्मला उरांव का कहना है कि प्रखंड कार्यालय परिसर में बड़े-बड़े सुकर के साथ उनका फोटो ले लिया गया और छोटे-छोटे एवं बीमार सुकर को घर में

उतार दिया गया । जिसकी शिकायत लाभुक के द्वारा पशुपालन पदाधिकारी सीमा का को किया गया था। जिस पर पशुपालन पदाधिकारी सीमा एक्का के द्वारा उक्त बीमार शूकर को बदलकर नए शूकर देने की बात कही गई थी । लेकिन बदलने से पहले ही , दो सुकर की मृत्यु दो दिन बाद ही हो गई ।साथ ही लाभुक निर्मला उरांव ने बतायी कि उनके द्वारा इस योजना को लेने के लिए 14 ,400 का भुगतान भी किया गया है । विभाग द्वारा छोटे एवं बीमार सुकर मिलने तथा उनके मर जाने से निर्मला उरांव अपने आप को ठगी महसूस कर रही है , घाघरा निवासी लाभुक नीमा देवी ने पशुपालन विभाग से अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत सुकर लेने के लिए उनके द्वारा 1 वर्ष पूर्व ही 14, 400 की राशि का भुगतान किया गया था , 1 वर्ष बाद उन्हें सुकर तो मिला परंतु छोटे एवं बीमार सुकर मिला है । अभी तक उनकी कोई क्षति नहीं हुई है परंतु एक सुकर जब से लाया गया है , तब से कुछ नहीं खा पी रहा है। इससे यह प्रतीत होता है कि दूध पीने वाले बच्चे सुकर को ही लाभुक को वितरित कर दिया गया है , दोदांग निवासी लाभुक विनीता देवी का कहना है कि विभाग के द्वारा दूध पीने वाला सुकर मिला था। जिसके कारण हमारा एक सुकर मर गया ।
प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ सीमा एक्का से बात किए जाने पर उन्होंने कहा कि गाड़ी का डाला लगे होने के कारण वह पशु को देखने नहीं पाई अगर पशु मर गया है और पशु कमजोर है तो वितरित सभी शूकर को वापस कर उसके बदले लाभुको को नए सिरे से पुनः शूकर वितरण किया जाएगा , मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना का उद्देश्य पशुपालकों की आय बढ़ाना और रोजगार देना था, लेकिन घाघरा में इसे भ्रष्टाचार और अनियमितता ने कमजोर कर दिया है। कागजी हेराफेरी कर लाभुकों को कमजोर पशु देने और सरकारी राशि की बंदरबांट का आरोप लग रहा है।

कांग्रेस उपाध्यक्ष ने किया वस्त्र का वितरण

मेट्रो रेज संवाददाता

चक्रधरपुर : हिंदुओं का महान पर होली के शुभ अवसर पर गरीब असहाय एवं विकलांग लोगों के बीच कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह ने धोती, साड़ी ,शर्ट पैंट का कपड़ा का वितरण किया .इस मौके पर उन्होंने कहा कि होली के त्योहार खुशियों का त्यौहार है. इस त्यौहार को सभी लोगों को खुशी पूर्वक मनाने की जरूरत है .उन्होंने कहा जो बहुत ही निर्धन है उन लोगों के बीच शर्ट, पैंट, धोती साड़ी का वितरण किया गया है .उन्होंने कहा हमारी सदा कोशिश रही है कि गरीब लोगों की हर तरह की मदद किया जाए. उन्होंने कहा होली का त्योहार सभी लोग शांतिपूर्वक एवं खुशी पूर्वक मनाई यह हमारी सदा कोशिश रही है. उन्होंने कहा आज झारखंड में झामुमो और कांग्रेस पार्टी की गठबंधन की सरकार है. इस सरकार में सभी लोगों को सभी तरह की सहायता एवं सुविधा मिलनी चाहिए .जिसका प्रयास हमारे कांग्रेस पार्टी सदा कर रही है. उन्होंने कहा बंदगांव प्रखंड का सर्वांगीण विकास किया जाएगा .जिसको लेकर तैयारी किया जा रहा है. जल्द ही इसका परिणाम भी सामने आएगा. गांव-गांव में सड़क, पुल पुलिया ,आंगनबाड़ी केंद्र सभी गांव में बिजली ,सभी लोगों को मैया सम्मान योजना का लाभ समेत सभी सुविधाएं दिलाई जाएगी. उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी को और मजबूत करने का कार्य

भीड़- भाड वाले जगह से दूर शांत माहौल में बना महात्मा गांधी पुस्तकालय

बच्चों के पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने में कर रहा है मदद

सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र के लिए महात्मा गांधी पुस्तकालय एक वरदान से काम नहीं

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला: गुमला जिला अंतर्गत स्थित घाघरा प्रखंड परिसर में महात्मा गांधी पुस्तकालय भवन छात्रों के लिए वरदान साबित हो रहा है, यहां छात्र - छात्राओं के विभिन्न प्रतियोगिताओं की तैयारियों के साथ ही साथ उक्त छात्र कम्प्यूटर के ज्ञान का भी लाभ ले रहे हैं , उक्त पुस्तकालय भवन से छात्रों को कई तरह के फायदे हुए हैं, जिससे उनकी पढ़ाई में काफी मदद मिल रही है , और तो और उक्त नये पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की हजारों किताबें, पत्रिकाएं और समाचार पत्र उपलब्ध हैं। इससे छात्रों को अपनी पढ़ाई और ज्ञान को बढ़ाने में मदद मिल रही है। वहीं पुस्तकालय भवन घाघरा ब्लॉक परिसर में बना हुआ है, ब्लॉक परिसर भीड़ भाड़ वाले जगह से दूर होने के वजह से पुस्तकालय भवन का शांत वातावरण छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मदद कर रहा है। पुस्तकालय में कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे छात्र ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। वहीं पुस्तकालय में ग्रुप स्टडी के लिए अलग से जगह बनाई गई है, जिससे छात्र एक साथ मिलकर पढ़ाई कर सकते हैं। पुस्तकालय में समय-समय पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जैसे कि पुस्तक प्रदर्शनी, सेमिनार और कार्यशालाएँ।

सुदूरवर्ती क्षेत्र के छात्रों को मिल रहा फायदा

घाघरा जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्र में पुस्तकालय भवन बनने से छात्र

बहुत खुश हैं। छात्रों का कहना है कि यह पुस्तकालय उनके लिए ज्ञान का एक नया द्वार है। वे अब अपनी पढ़ाई को और बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

गरीब छात्रों के लिए मिल का पत्थर साबित हो रहा हा है उक्त लाइब्रेरी

पुस्तकालय भवन के अध्यक्ष अगस्टिन महेश कुजूर ने कहा कि घाघरा प्रखंड में काफी गरीब छात्र हैं जो बाहर जाकर पढ़ने में असमर्थ है वो लोग यहां आकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और सभी प्रकार की प्रतियोगी किताब उपलब्ध होने के कारण अच्छे से तैयारी कर पा रहे हैं। पुस्तकालय भवन गरीब छात्र छात्रों के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है।

इस संबंध में बताते हुए घाघरा वीडियो दिनेश कुमार ने कहा घाघरा जैसे आदिवासी बहुल सुदूरवर्ती क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के लिए महात्मा गांधी पुस्तकालय एक वरदान से काम नहीं है उन्होंने कहा इस पुस्तकालय में नए-नए पठन-पाठन सामग्री के साथ-साथ तकनीक की ज्ञान भी यहां पढ़ने वाले बच्चे प्राप्त कर रहे हैं जिस काम के लिए उन्हें रांची धनबाद बोकारो दिल्ली आदि जगहों में जाकर पढ़ाई करना पड़ता था और बहुत अधिक पैसा खर्च होता था आज वह सारी सुविधाएं यहां उपलब्ध है जो की बिल्कुल निशुल्क है आने वाले दिन में यहां अध्यनरत बच्चे एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे और घाघरा जैसे जगह का नाम देश और दुनिया में अंकित करेंगे

लाइब्रेरी बनने से छात्रों को अपना लक्ष्य हासिल करने में होगी आसानी : अनिरुद्ध चौबे

वहीं पुस्तकालय भवन के सचिव अनिरुद्ध चौबे ने कहा कि, ₹हमारा लक्ष्य छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करना है। नया पुस्तकालय भवन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।₹ निरंतर शिक्षा लेकर छात्र अपने लक्ष्य को आसानी से पा सकते हैं बस मन में पढ़ने की लगन और दृढ़ संकल्प होना आवश्यक है। पुस्तकालय छात्रों के लिए बहुत फायदेमंद है, पुस्तकालय भवन छात्रों के लिए एक वरदान साबित हुआ है। इससे छात्रों को न केवल अपनी पढ़ाई में मदद मिल रही है, बल्कि उनका ज्ञान भी बढ़ रहा है।